संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 318
पृष्ठ 8
शनिवार
09 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों पर मंडरा रहा है काली खांसी...
विचार- सरकारों की विकासलीला
खेल- टी20, टेस्ट के बाद अब वनडे...

सीएम योगी ने स्वदेशी अपनाने का किया आह्वान, बोले -

रोजगार पैदा करने व राष्ट्रहित के लिए जरूरी

● सीएम योगी ने छोटी बच्ची से बंधवाई राखी, खाई मिठाई

● देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि की अर्पित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस समारोह में सीएम योगी ने छोटी बालिकाओं के हाथों राखी भी बंधवाई और बेटियों को मिठाई और चॉकलेट भी उपहार में दी। इसके बाद उन्होंने म्यूजियम में सेल्फी और फोटोशूट भी कराया। कार्यक्रम स्थल पर पीपल का पौधा भी लगाया। साथ ही स्वदेशी वस्तुओं को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वदेशी को जीवन का मंत्र बनाने से दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पायेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा "स्वदेशी हमारे जीवन का ध्येय बने, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बने, हम जियेंगे स्वदेशी के लिए, हम मरेंगे अपने देश के लिए। अपनी राष्ट्रभक्ति की इस पराकाष्ठा के साथ जब भारत आगे बढ़ेगा तो दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगी। आजादी का यह संदेश हम सबको इस उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आर्थिक ताकत भी राष्ट्रनिर्माण से जुड़ी है और जब हम विदेशी वस्तुएं खरीदते हैं, तो न सिर्फ हमारा पैसा विदेश जाता है, बल्कि वही पैसा आतंकवाद और उग्रवाद में उपयोग होता है। उन्होंने अपील की कि आने वाले त्यौहारों (रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, दशहरा, दीपावली, छठ) में स्वदेशी वस्तुएं ही उपहार में दें और खरीदें। उन्होंने कहा कि पर्व और त्योहारों में जब हम इस दौरान कोई स्वदेशी वस्तु खरीदते हैं तो हमारे हस्तशिल्प और कारीगर काम पाते हैं। सीएम योगी ने कहा, यह देश के विकास, उत्थान में खर्च होगा। हम जो भी उपहार देंगे या अपने घर के लिए खरीदेंगे, भले ही तात्कालिक रूप से थोड़ा महंगा हो, लेकिन वहीं खरीदेंगे जो स्वदेशी होगा। मुख्यमंत्री ने 2 अक्टूबर को हर उत्तर प्रदेशवासी से गांधी आश्रम जाकर खादी खरीदने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होने काकोरी ट्रेन एक्शन में शहीद हुए देश के सपूतों को नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

जो भारत में नहीं जन्मा, उसे वोट का अधिकार नहीं

एसआईआर पर अमित शाह का जवाब, राहुल-लालू पर जमकर साधा निशाना

सीतामढ़ी, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चल रहे राजनीतिक विवाद को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्षी दल बहाने ढूंढ रहे हैं क्योंकि उन्होंने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में अपनी हार स्वीकार कर ली है। एसआईआर को लेकर हुंकार भरते हुए शाह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव किसे बचाना चाहते हैं? क्या आप उन बांग्लादेशियों को बचाना चाहते हैं जो बाहर से आकर बिहार के लोगों की नौकरियाँ छीन लेते हैं? शाह ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी को ये वोट बैंक की राजनीति बंद करनी चाहिए और एसआईआर, ये पहली बार नहीं हो रहा है। इसकी शुरुआत जवाहरलाल नेहरू ने की थी और 2003 में भी यही हुआ था... बिहार चुनाव हारने के बाद ये बहाने ढूंढ रहे हैं। शाह ने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने चाहिए या नहीं? भारत का संविधान उन लोगों को वोट देने का अधिकार नहीं देता जो भारत में पैदा नहीं हुए। राहुल गांधी संविधान लेकर घूम रहे हैं, उन्हें भी इसे खोलकर पढ़ना चाहिए। एसआईआर, ये इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि घुसपैठिए इनका वोट बैंक हैं। अमित शाह ने कहा कि बिहार में बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मैं तेजस्वी यादव से पूछना चाहता हूँ, उनके पिता और माता लंबे समय तक सत्ता में रहे। गुंडागर्दी, गैंग चलाने, अपहरण करने, फिरौती मांगने के अलावा आपने मिथिलांचल के विकास के लिए क्या किया है? शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और लालू संसद में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर रहे हैं...लालू एंड कंपनी को पता नहीं है कि ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, एनडीए की सरकार है। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने का किसी को हक नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने वैश्विक मंच पर मिथिला की कला को हमेशा आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति को मधुबनी पेंटिंग भेंट की और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति को भी मिथिलांचल की कला का नमूना देकर विदेश में मिथिला की कला का गौरव बढ़ाया है। माँ जानकी की जन्मस्थली पर जो यह भव्य मंदिर बनने जा रहा है, यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि मिथिलांचल के भाग्योदय की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि मिथिला, वाल्मीकि रामायण से लेकर महाभारत और बौद्ध व जैन साहित्य तक – हमारी संस्कृति का केंद्र रहा है। धर्मशास्त्र, साहित्य, संगीत, भाषा और तंत्रज्ञान का यह एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है।

हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों ने शुक्रवार को भी बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर भारी हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। दो बार के स्थगन के बाद पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने तीन बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु की विपक्षी सदस्य नारे लगाते हुए और हाथों पर तख्तियां लेकर सदन के बीचों बीच आ गये। पीठासीन अधिकारी ने सदन चलाने का प्रयास किया लेकिन सदस्यों का हंगामा चलता रहा। उन्होंने सदस्यों से आग्रह किया कि वह उनकी बात सुनना चाहते हैं लेकिन पहले उन्हें अपनी सीटों पर बैठना होगा। उनका कहना था कि अपनी सीटों पर सदस्य बैठेंगे तो उनकी बात सुनी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार नियम के तहत विपक्ष की हर मांग पर विचार करने को तैयार है। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि आज शुक्रवार है और विपक्षी दलों के सदस्य सदस्यों के निजी विधेयक को बाधित कर रहे हैं। सरकार हंगामा कर रहे लोगों की बात सुनना चाहती है लेकिन सारी बातें नियम और संसदीय आचारण के साथ सुनी जाएगी। सदस्यों ने उनकी बात को अनसुना कर दिया। पीठासनी अधिकारी ने उनसे सीटों पर बैठने का बार बार आग्रह किया लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी तो श्री तेन्नेटी ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। इसके पहले 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरु हुई तो सदस्यों ने हंगामा किया जिसके कारण अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित दी थी। दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही सदस्य हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच ही पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने विधायी दस्तावेज पटल पर रखवाये और शून्य काल शुरु कराने की कोशिश की लेकिन हंगामा नहीं रुका तो उन्होंने सदन की कार्यवाही तीन बजे तक स्थगित कर दी थी।

क्या बड़ा करने जा रहा है भारत? ट्रंप के टैरिफ ऐलान के बीच मोदी ने अचानक बुलाई बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस के साथ नई दिल्ली के तेल व्यापार को लेकर भारत से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा के बाद भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ विवाद गहराने के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार दोपहर 1 बजे केंद्रीय मंत्रिमंडल की एक आपात बैठक बुलाई है। इससे भारतीय वस्तुओं पर कुल अमेरिकी टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मंत्रिमंडल अमेरिका के साथ आगे के व्यवहार पर चर्चा करेगा और भविष्य की रणनीतिक कार्रवाई तय करेगा। इस बीच, ट्रंप ने गुरुवार को टैरिफ मुद्दे के समाधान तक भारत के साथ किसी भी व्यापार समझौते पर बातचीत करने से भी इनकार कर दिया। ट्रम्प ने बुधवार को भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की, जिसका मुख्य कारण भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की निरंतर खरीद को बताया गया। यह नवीनतम वृद्धि 20 जुलाई को लागू किए गए 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त है। विदेश मंत्रालय ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस कदम की निंदा की और इसे ष्अनुचित, अनुचित और अविवेकपूर्णष बताया। मंत्रालय ने ज़ोर देकर कहा कि भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं और रणनीतिक स्वायत्तता का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने दोहराया कि किसानों के हितों की रक्षा उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और घोषणा की कि भारत इस मोर्चे पर कभी समझौता नहीं करेगा। उनका यह बयान ट्रम्प द्वारा अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने के एक दिन बाद आया है, जिसमें भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की निरंतर खरीद का हवाला दिया गया था। दिल्ली में एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए, मोदी ने स्वीकार किया कि ऐसा कदम उठाने पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है, लेकिन उन्होंने कहा कि वह इसके लिए तैयार हैं।

फर्जी वोटों के कारण 2019 चुनाव हारी थी कांग्रेस

खड़गे ने पीएम मोदी और बीजेपी पर बोला हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए वोट चोरी का आरोप लगाया। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में कांग्रेस की श्वोट अधिकार रैलीश को संबोधित करते हुए, मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि पार्टी 2019 के आम चुनाव श्फर्जी वोटोंश के कारण हारी थी। खड़गे ने कहा कि मौजूदा सरकार चोरी की सरकार है। मोदी फर्जी वोटों से इस देश को रुला रहे हैं। मैंने 2019 में यह कहा था। अपने पूरे जीवन में, मैं 2019 के चुनावों में हारा हूँ, मैं भी फर्जी वोटों के कारण हारा हूँ, जो अब सामने आया है। बेंगलुरु सेंट्रल के महादेवपुरा में राहुल गांधी के वोट चोरी के दावे को दोहराते हुए, खड़गे ने दावा किया कि चुनाव आयोग प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर काम करता है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु में हुए चुनावों में, एक विधानसभा ने 6,60,000 वोटों का सत्यापन किया है। पिछला चुनाव विश्वासघात का चुनाव था। मोदी की कोशिश है कि अगर लोग वोट न भी दें, तो मोदी और अमित शाह चुनाव आयोग को आदेश दें कि वह तय करे कि कहाँ कम वोट देना है और कहाँ ज़्यादा। प्रधानमंत्री मोदी पहले ही कांग्रेस और अन्य दलों को डराकर बहुमत हासिल कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने महाराष्ट्र और कर्नाटक विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव अवैध रूप से जीते हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी उन्होंने यही चाल चली है। मोदी एंड कंपनी 2024 का चुनाव नहीं जीत पाई। उन्होंने आगे कहा कि इंडिया ब्लॉक के सांसद 11 अगस्त को दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सरकार नहीं बचेगी, हम तुम्हें जनता से दूर कर देंगे। हम उन्हें सिर्फ़ गिराएँगे ही नहीं, बल्कि उन्हें सबक भी सिखाएँगे; वे ख़राब आर्थिक नीतियों से हमारे देश को बर्बाद कर रहे हैं। खड़गे ने कहा कि सोमवार को सभी सांसद दिल्ली में चुनाव आयोग जाएँगे और आयोग से अपील करेंगे। हमने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के नेताओं की एक बैठक बुलाई है। हम सभी को एकजुट होना चाहिए, वरना प्रधानमंत्री मोदी ऐसे ही सत्ता में आ जाते।

वोट चोरी पर राहुल गांधी के खुलासे की जांच हो : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि वोट चोरी को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जो खुलासा किया है वह अत्यंत गंभीर है और उसकी जांच होनी चाहिए। श्रीमती वाड्रा ने शुक्रवार को लोकसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची और डेटा उपलब्ध कराना चाहिए। आयोग तथा भाजपा जिस तरह की बयानबाजी कर रहे है उससे साफ है कि कुछ गड़बड़ी हुई है और इसकी जांच जरूरी है। उन्होंने कहा "राहुल गांधी जी ने इतना बड़ा खुलासा किया है, उसकी जांच होनी चाहिए। चुनाव आयोग वोटर लिस्ट नहीं दे रहा है, जांच नहीं कर रहा है, उल्टा हलफनामा मांग रहा है। हम लगातार डेटा दिखा रहे हैं, लेकिन आयोग अपना ही डेटा मानने को तैयार क्यों नहीं हो रहा है।" श्रीमती वाड्रा ने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग की तरफ से जिस तरह के बयान सामने आ रहे हैं, उससे यह बात एकदम साफ है कि भारी गड़बड़ी हो रही है।

आंध्र प्रदेश में गैस सिलेंडर विस्फोट में 5 लोगों की मौत, मृतकों के परिजनों को 10 लाख का मुआवजा दिया जाएगा

विशाखापत्तनम, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बुक्का स्ट्रीट के पास गुरुवार को गैस सिलेंडर में हुए विस्फोट में पाँच लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह विस्फोट एक कबाड़ की दुकान में हुआ, जहाँ वेल्डिंग सिलेंडर में खराबी आ गई थी। विस्फोट इतना ज़ोरदार था कि पीड़ितों के शरीर बिखर गए और उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापट्टनम में घरेलू गैस

सिलेंडर विस्फोट में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10–10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा शुक्रवार को की। बृहस्पतिवार रात को एक वेल्डिंग की दुकान में घरेलू गैस सिलेंडर के फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ''मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापट्टनम में फिशिंग हार्बर के पास स्थित वेल्डिंग की दुकान में सिलेंडर विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए सरकार की ओर से अनुग्रह राशि की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दुर्घटना में मारे गए तीन लोगों के परिजनों को 10–10 लाख रुपये देने का निर्देश दिया।'' उन्होंने घायल व्यक्तियों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। विशाखापट्टनम की उपायुक्त–2, मैरी प्रसंथी ने 'पीटीआई भाषा' को बताया कि विस्फोट में तीन लोग घायल हुए हैं। प्रसंथी ने यह भी बताया कि दो घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

देश को पांच सवालों का जवाब दे चुनाव आयोग : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाने के बाद शुक्रवार को कहा कि भारत का संविधान

बेशकीमती है और चुनाव आयोग को इसकी प्रतिष्ठा के लिए पांच सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बड़ा सवाल यह है कि चुनाव आयोग को बताना चाहिए कि वीडियो और सीसीटीवी के सबूत क्यों और किसके कहने पर मिटाए जा रहे हैं। सवाल है कि आयोग क्या भाजपा का एजेंट बनकर काम कर रहा है। श्री गांधी ने कहा "चुनाव आयोग से पांच सवाल हैं और देश इनका जवाब चाहता है। पहला सवाल है कि विपक्ष को डिजिटल वोटर लिस्ट क्यों नहीं मिल रही। क्या छिपा रहे हो। दूसरा है कि सीसीटीवी और वीडियो सबूत मिटाए जा रहे हैं–क्यों और किसके कहने पर। तीसरा है– फर्जी वोटिंग और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की गई–क्यों। चौथा सवाल विपक्षी नेताओं को क्यों डराया धमकाया जा रहा है और पांचवा सवाल–साफ–साफ बताओ– क्या भारत का चुनाव आयोग अब भाजपा का एजेंट बन चुका है।"

मतदाता सूची पर राहुल का दावा झूठा : भाजपा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूची को लेकर किये गये दावों को झूठा बताया है। श्री यादव ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री गांधी जिस पेड़ पर बैठे हैं, उसी की डाल काट रहे हैं। उन्होंने श्री गांधी द्वारा चुनाव आयोग के कर्मचारियों के खिलाफ प्रयोग की गई भाषा पर आपत्ति जताते हुए सवाल उठाया कि देश की संवैधानिक संस्था के खिलाफ इस तरह के बयान एवं भाषा क्या उचित है। उन्होंने कहा कि श्री गांधी सेना और देश की शीर्ष अदालत के खिलाफ बोलने से भी नहीं चूकते हैं।

मोदी को प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं : सिद्दारमैया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा चुनावों के दौरान कथित तौर पर मतदान में बड़े पैमाने पर हुयी धोखाधड़ी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है और उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

श्री सिद्दारमैया ने कथित चुनावी गड़बड़ियों के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में यहां फ्रीडम पार्क में आयोजित एक विशाल विरोध रैली को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर 'भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शाखा कार्यालय' की तरह काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक से शुरू हुआ वोट चोरी विरोधी आंदोलन जल्द ही पूरे देश में फैल जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गांधी ने मतदान के आंकड़ों का गहन अध्ययन और विश्लेषण करने के बाद, दस्तावेज़ी सबूतों के साथ जनता के सामने तथ्य रखे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के तहत चुनाव आयोग को क़ानूनी तौर पर काम करना चाहिए और कोई भी लोगों के वोट देने के मौलिक अधिकार को नहीं छीन सकता।

उन्होंने कहा, देश की जनता इसकी इजाज़त नहीं देगी। उन्होंने कुछ ताक़तों को 'मनुवादी' और 'संविधान–विरोधी' बताते हुए आरोप लगाया कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को तहस–नहस कर रहे हैं।

शुभकामना

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

–सम्पादक

सूचना

रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 11 अगस्त को प्रकाशित होगा।

–व्यवस्थापक

राखी की उत्पत्ति, विकास और परंपरा

माता लक्ष्मी को राजा बलि द्वारा, वरदान की पहचान है राखी।
इंद्राणी द्वारा इंद्र को असुरों के खिलाफ,विजय की शान है राखी।।

द्वापर में द्रौपदी और कृष्ण के,अटूट विश्वास की गुणगान है राखी।
रानी रोक्साना द्वारा राजा पुरु से,सिकंदर की जीवनदान है राखी।।

सम्राट हुमायूं द्वारा रानी कर्णावती,
के सुरक्षा की ऐलान है राखी।
विभाजन दौरान टैगोर द्वारा हिंदू–मुस्लिम,एकता की दास्तान है राखी।।

हिंदू ही नहीं,सिख,जैन और,सनातन धर्म की भी अभिमान है राखी।
भाई–बहन के पवित्र रिश्ते के रूप में,सदियों से विद्यमान है राखी।।

श्रवण के पावन माह में खेत खलिहान को,वर्षा रूपी प्राणदान है राखी।
यकीनन रक्षा, प्रेम,और बंधुता,रूपी पौधों की बागवान है राखी।।

अनंत काल से अब तक रेशमी धागे,
के रूप में सर्वशक्तिमान है राखी।
अब विश्व के हर कोने से भारतीयों के,परंपरा और त्योहारों की कीर्तिगान है राखी।।

'लेखकः आशीष कुमार सैनी'
पुराछात्र : {इलाहाबाद विश्वविद्यालय}
जनपद प्रयागराज,उत्तर प्रदेश।

भारत स्काउट एवं गाइड, जनपद मुज़फ्फरनगर

मुजफ्फरनगर। भारत स्काउट एवं गाइड, जनपद मुज़फ्फरनगर के तत्वावधान में "हर घर तिरंगा" अभियान के अंतर्गत एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का शुभारंभ ताराचंद वैदिक पुत्री डिग्री कॉलेज से हुआ, जिसे जिला विद्यालय निरीक्षक एवं उपाध्यक्ष, भारत स्काउट एवं गाइड श्री राजेश कुमार शिवस जी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई माननीय राज्यमंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल जी के आवास तक पहुँची। वहाँ रैली का ससम्मान समापन हुआ। माननीय मंत्री जी ने स्काउट–गाइड के छात्र–छात्राओं का स्नेहपूर्वक स्वागत किया, उन्हें जलपान कराया,

और बच्चों को अपना आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं। उन्होंने बच्चों के अनुशासन, देशभक्ति और सामाजिक सहभागिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राष्ट्र निर्माण की नींव मजबूत करते हैं। इस विशेष अवसर पर गाइड की छात्राओं ने माननीय मंत्री जी को राखी बाँधी, जिसके उत्तरस्वरूप मंत्री जी ने सुरक्षा का वचन देते हुए उपहार भेंट किये ।

यह कार्यक्रम जिला मुख्यायुक्त डॉ. कंचन प्रभा शुक्ला के कुशल दिशा–निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस आयोजन में कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से :

–श्री विजय कुमार शर्मा, जिला स्काउट कमिश्नर
–श्रीमती राजेश कुमारी, जिला गाइड कमिश्नर
–श्रीमती रेनू गर्ग, सहायक गाइड कमिश्नर
–श्री अनिल कौशिक, जिला सचिव
–श्री सुनील शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष

कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला संगठन आयुक्त श्री भारत भूषण अरोरा , जिला प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) गुंजन चौधरी,जिला ट्रेनिंग काउंसलर श्री अनुज कुमार, एवं कुमारी ज्योति रानी एवं ताराचंद वैदिक पुत्री डिग्री कॉलेज प्राचार्य संगीता चौधरी एव एच०ओ०डी योगिता एवं विभिन्न विद्यालयों के स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टन का विशेष योगदान रहा। यह रैली न केवल देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रही, बल्कि स्काउट–गाइड संगठन की सामाजिक चेतना और समर्पण भाव का भी जीवंत उदाहरण बनी।

पीएसी जवानों की कलाई पर छात्राओं ने बांधी राखी

प्रयागराज। पुलिस मॉडर्न स्कूल की ओर से चतुर्थ पीएसी बटालियन परिसर में रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्राओं ने कमांडेंट और पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बांधकर दीर्घायु की कामना की। वहीं जवानों ने भी महिला व बच्चियों की सुरक्षा का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम भावनाओं और भाईचारे से भरपूर रहा। जहां नन्हे–मुन्ने बच्चों ने देश की सेवा और सुरक्षा करने वाले वीर जवानों को प्रेमपूर्वक राखी बांधी। कमांडेंट मनीष शांडिल्य ने अधिकारियों और कांस्टेबलों के साथ छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल जनता और पुलिस के बीच के संबंध को मजबूत करती है। उन्होंने छात्रों को देशभक्ति और सामुदायिक सेवा के मूल्यों को पोषित करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मंगला मिश्रा, पीएमएस प्रभारी संतोष कुमार साहू आदि उपस्थित रहे।

विवाहिता के आत्महत्या मामले में दो युवक गिरफ्तार

प्रयागराज। नए यमुना पुल से विवाहिता के नदी में कूदकर आत्महत्या करने के मामले में नैनी पुलिस ने गुरुवार को दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन पर उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप है। आरोपियों के पास से महिला का बैग, पर्स, कपड़े, आधार कार्ड, मोबाइल और बाइक बरामद हुई है। आरोपी यश प्रजापति उर्फ सोनू निवासी द्वारिका गार्डेन वाली गली चाका ब्लाक थाना नैनी और सोहेल सिंह पटेल निवासी कनैली थाना सराय अकिल कौशाम्बी, हाल पता चुंगी दारागंज के खिलाफ रितेश सिंह निवासी नगला खेरिया जगनेर रोड थाना शाहगंज आगरा ने अपनी पत्नी मोहिनी कुमारी उर्फ संध्या का उत्पीडन कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मुकदमा दर्ज कराया था। संध्या सोमवार की देर रात पुल से यमुना नदी में कूद गई थी। अब तक उसका शव बरामद नहीं हुआ है।

दोबारा बाढ़ आने के डर से अभी घर लौटने को तैयार नहीं पीड़ित परिवार

प्रयागराज। यमुना और उनकी सहायक नदियों में आई बाढ़ ने करेली, गौस नगर, गड्ढा कॉलोनी, जेके आशियाना, इस्लाम नगर, ककहरा घाट, सदियापुर आदि इलाकों के लोगों का जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। पिछले दिनों बाढ़ का विकराल रूप देख चुके लोग इस कदर दहशत में हैं कि पानी कम होने के बाद भी वापस अपने घरों में नहीं जा रहे हैं। पानी अब धीरे–धीरे बस्तियों से उतरने लगा है लेकिन बाढ़ राहत शिविरों में रह रहे लोग अब भी शिविर छोड़कर घर लौटने को तैयार नहीं हैं। लोगों में इस बात का डर है कि अभी बारिश का मौसम जारी है और पानी फिर से लौट सकता है जिससे उन्हें रातोंरात दोबारा घर छोड़ना पड़ सकता है।

लिहाजा अभी कुछ दिन इंतजार करना ही मुनासिब है। लोग पूरी तरह से आश्वस्त होने पर ही घर लौटना चाहते हैं। राहत शिविरों में रह रहे लोगों से बात की तो अधिकतर अपने घर–आंगन, गृहस्थी और ठप हो चुके काम–धंधे को लेकर काफी चिंतित दिखे। कहा पानी भले ही कम हो रहा हो लेकिन अभी तुरंत कैसे लौटा जा सकता है। पानी फिर से नहीं लौटेगा इसकी क्या गारंटी है इसलिए कुछ दिन यहां रुक कर हालात पर नजर रखना मजबूरी है। ––चेतना गर्ल्स इंटर कॉलेज राहत शिविर, करेली–– यमुना की तटीय बस्तियों से पानी अब धीरे–धीरे कम हो रहा है जो बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए सुखद संदेश है। पानी कम होने के बावजूद राहत शिविरों में भीड़ पहले की तरह ही है। बाढ़ प्रभावित लोग अभी शिविर छोड़ने को तैयार नहीं हैं। उन्हें अंदेशा है कि पानी कभी भी दोबारा लौट सकता है। करेली के इस राहत शिविर में पिछले पांच–छह दिनों से 36 परिवार रह रहे हैं। जिनमें अधिकतर लोग अभी घर लौटने की हिम्मत नहीं जुटा सके हैं। इन्हीं लोगों में गड्ढा कॉलोनी के जावेद का परिवार भी है जो बेहद डरा सहमा है। एक अगस्त की रात का मंजर यादगर वह दहशत में आ जाते हैं। बताया कि अचानक रात में शोर सुनकर बाहर देखा तो सड़क पर पानी भरा हुआ था। जब तक कुछ समझते और

सामान समेटते पानी घर में भरने लगा था। चारों ओर पानी देख बच्चे तालिब, अमन,फातिमा और एकरा डर कर चिल्ला रहे थे। सब जान बचाने के लिए छत पर चढ़ गए और नाव आने पर ही बस्ती से बाहर निकल पाए। अभी बाढ़ का खतरा बरकरार है तो कैसे लौट सकते हैं। इसी तरह गड्ढा कॉलोनी के ही मो. अनीस का छह सदस्यीय परिवार भी पिछले पांच दिनों से शिविर में पनाह लिए हुए है लेकिन घर लौटने को अभी तैयार नहीं है। कहा कि पूरी गृहस्थी तबाह हो चुकी है जिसे फिर से सहेजना पड़ेगा। भले ही जेब खाली है और हाथ में पैसे नहीं है लेकिन हम लोग अभी हिम्मत नहीं हारे हैं। परिवार चलाना है तो हिम्मत जुटा कर दोबारा खड़ा होना ही पड़ेगा। –यूनिटी पब्लिक स्कूल राहत शिविर, करेली – इस राहत शिविर में 21 परिवारों के कुल 83 लोग रह रहे हैं जिनमें अधिकतर लोग इस्लाम नगर करेली के रहने वाले हैं। पेशे से दर्जी मो. फरहान का परिवार भी पांच–छह दिनों से शिविर में रहकर पानी घटने का इंतजार कर रहा है। जौ पैसे पास में थे वह खर्च हो चुके हैं और काम भी ठप है। फरहान इस फिक्र में डूबे हैं कि आगे क्या होगा। फरहान ने कहा कि सुन रहे हैं कि पानी घट रहा है लेकिन अभी घर लौटने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। साथ में छोटे छोटे बच्चे हैं जिनकी सुरक्षा जरूरी होने के कारण यहां रहना मजबूरी है। उधर, निहालुद्दीन और हुमा परवीन की कहानी भी कुछ इसी तरह की है। निहाल भी पेशे से टेलर हैं और इन दिनों खाली बैठे हैं। साथ में चार छोटे बच्चे भी हैं जिनकी फिक्र उन्हें सोने नहीं दे रही। इसलिए अभी घर लौटने से डरते हैं। बताया कि बच्चे बाढ़ में फंस गए थे, हम लोग भी काफी डर गए थे। करीबी लोगों ने भी ऐसे मौके पर हाथ खड़े कर लिए थे। वह प्रशासन के इंतजाम से काफी संतुष्ट हैं। कहा कि कम से दो वक्त का भोजन और रहने के लिए छत तो दी है यह कम नहीं है। –रमादेवी गर्ल्स इंटर कॉलेज राहत शिविर, मीरापुर–– इस बाढ़ राहत शिविर में रौनक पहले की तरह बनी हुई है। कई परिवार इस शिविर में डेरा डाले हुए हैं जिन्हें पानी कम होने का बेसब्री से इंतजार है। बीते मंगलवार को यहां 126 परिवार रह रहे थे जो बुधवार को बढ़कर 139 परिवार हो गए । शिविर में लोगों के आने का क्रम अभी बना हुआ है। ककहरा घाट के गोलू निषाद का परिवार भी पिछले पांच दिनों से यहां रह रहा है और पानी कम होने का इंतजार कर रहा है। गोलू ने बताया कि रात में पानी घर में भरने लगा था तो जान बचाकर छत पर चढ़ गए थे। साथ में छोटे–छोटे बच्चे भी थे जिनकी चिंता अधिक थी। नाव आई तब बाहर निकल सके। सर्राफे का काम करते हैं लेकिन एक सप्ताह से वह भी बंद है। जब तक पानी पूरी तरह से नहीं निकल जाता तब तक यहां रहना मजबूरी है। जल्दबाजी कर बच्चों की जान खतरे में नहीं डाल सकते हैं। वहीं सदियापुर के बनवारी लाल का परिवार भी बाढ़ की चपेट में आने के बाद बेहद डरा हुआ है। पूरी गृहस्थी पानी में समा चुकी है, काम–धंधा ठप हो गया है लेकिन दहशत इतनी है कि जब तक पानी बस्ती से दूर नहीं चला जाता लौटने को तैयार नहीं हैं। बनवारी कहते हैं कि भले ही शिविर से बाहर कर दिए जाएं लेकिन अभी घर वापस नहीं जाएंगे। किराए का कमरा ले लेंगे पर पानी उतरने तक वहां नहीं नहीं लौटेंगे। शनिवार रात का खौफनाक मंजर आज भी उनकी जेहन में बसा हुआ है जब रातोंरात उन्हें बेघर होना पड़ा था। फिर से वैसे हालात न बनें इसलिए एहतियातन सर्तकता बरत रहे हैं। राहत शिविर में नहीं मिली पनाह तो छत पर बनाया ठिकाना जेके नगर करेली की मजदा बेगम पत्नी मुख्तार को बाढ़ राहत शिविर में पनाह नहीं मिली तो मजबूरी में छत को ही ठिकाना बना लिया। उनकी रातें अब खुले आसमान के नीचे छत पर कट रही हैं। मजदा बेगम कहती हैं, पानी बरसता है तो पन्नी डाल कर किसी तरह बचाव कर लेते हैं। अधिकतर सामान तो पानी से खराब हो चुके हैं। जिन्दगी बेहद तकलीफ में गुजर रही है और बाढ़ राहत शिविरों में मिल रहीं सुविधाएं उन्हें मुंह चिढ़ा रही है। बताया कि घर और घर के चारों तरफ पानी भर जाने के कारण छत पर चले गए थे। पानी कुछ कम हुआ तो किसी तरह बच बचा कर चेतना गर्ल्स स्कूल में बने राहत शिविर में पहुंची। वहां अपना आधार कार्ड भी दिखाया लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं था। कहा आने में देर कर दी है अब जगह नहीं मिल सकती। बताया कि वह पास के एक और शिविर में भी गईं लेकिन वहां से भी यह कहकर बैरंग लौटा दिया गया कि इतनी देर से क्यों आई हो। अब रोज शिविरों की परिक्रमा करतीं हैं कि शायद रहने की जगह मिल जाए लेकिन सिर्फ मायूसी ही हाथ लग रही है। मजबूरी में वापस लौटकर फिर से छत पर रह रहीं हैं। हमारी भी सुनें –– घर के सारे सामान को पॉलीथीन से ढक कर छत पर रख दिया है लेकिन चिंता लगी रहती है। बारिश होने पर चिंता बढ़ जाती है। पानी कम ही नहीं हो रहा है। पिछले पांच दिनों से राहत शिविर में रह रहे हैं।–राशिद चार दिन से राहत शिविर में रह रही हूं। यहां व्यवस्था ठीक है, समय से खाना और नाश्ता भी मिल रहा है लेकिन घर की चिंता लगी रहती है। पूरी गृहस्थी छोड़कर आई हूं। पानी कम हो तो जीवन पटरी पर लौटे।–चांदनी अचानक से घर में पानी भरने लगा तो हम लोग सामान भी सुरक्षित स्थान पर नहीं रख पाए। हमारा गृहस्थी का सारा सामान बर्बाद हो गया। किसी तरह यहां दिन गुजार रहे हैं। सरकार से उम्मीद है कि हमारी सहायता करेगी।–मो. इमरान शनिवार से हम राहत शिविर में रह रहे है। यहां पर सारी व्यवस्थाएं हैं लेकिन घर तो घर ही है। काम–धंधा भी बंद हो गया है अब रोजमर्रा के खर्च के लिए भी हाथ फैलाना पड़ रहा है। पानी कम हो और काम शुरू हो तो राहत मिले।–मो. अनीस बाढ़ के बाद घर पानी में डूबा हुआ है। चार दिनों से राहत शिविर में रह रहे हैं। घर के समान को छत पर रख दिया था। बारिश और चोरी की चिंता लगी रहती है। पानी इतना ज्यादा है कि जा कर देख भी नहीं सकते।–मो. इशाद घर में चार फीट तक पानी भरा है। सरकार–प्रशासन ने अगर राहत शिविर न बनाया होती तो हम सबको और समस्या का सामना करना पड़ता। यहां पर सब उचित व्यवस्था कि गई है। जिससे हम लोगों को काफी राहत मिल रही है।–मो. असलम

बिजनौर में गंगा की हालत देख प्रयागराज में फिर बाढ़ का अलर्ट, अभी नहीं टला खतरा

प्रयागराज। एक हफ्ते से बाढ़ की समस्या झेल रहे आम नागरिकों को अब राहत होने लगी। गंगा यमुना के जलस्तर

में दो दिनों से जारी गिरावट गुरुवार को भी कायम रही। जलस्तर 84 मीटर (खतरे के निशान से नीचे) से नीचे आया। इसके बाद भी अभी समस्या का पूर्ण समाधान नहीं दिख रहा है। एडीएम वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह ने बताया कि बिजनौर से यह रिपोर्ट आई है कि वहां गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के 1.05 मीटर ऊपर चल रहा है। जिसे देखते हुए शासन ने प्रयागराज प्रशासन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

एडीएम ने बताया कि इसी निर्देश के क्रम में हमने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। वहीं शिविरों में लोगों का कहना है कि जल स्तर उतरने के बाद भी अभी जाना सुरक्षित नहीं है। उध्जर लाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि जलस्तर काफी कम हुआ है। लेकिन प्रशासन अब भी पूरी तरह से तैयार है। हम हर स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। सभी विभाग और टीमें पूरी तरह से अपने काम पर लगी हैं।

गंगा–यमुना ने छोड़े 20 गांव और 20 मोहल्ले

गंगा यमुना का जलस्तर तेजी से गिरने से भले ही खतरे के निशान के नीचे हो गया हो, लेकिन अब बिजनौर में खतरे के निशान के ऊपर चल रहीं गंगा के जलस्तर के कारण जिला प्रशासन को अलर्ट किया गया है। प्रशासन ने इसके आधार पर ही सभी विभागों को अपनी तैयारियों को उसी प्रकार रखने के लिए निर्देश दिए हैं, जैसे अब तक थी। डीएम मनीष कुमार वर्मा की ओर से निर्देश जारी हुआ है कि अफसर किसी प्रकार की शिथिलता न बरतें।

राहत, पर खतरा टला नहीं

गंगा–यमुना का जलस्तर तेजी से घटने पर लोगों को बाढ़ से राहत मिलने लगी है, लेकिन एकबार और पानी बढ़ने का खतरा बना हुआ है। हरिद्वार, नरोरा और कानपुर बैराज से गंगा में पानी डेढ़ लाख से सवा दो लाख क्यूसेक के बीच पहुंच गया है। हथिनीकुंड और ओखला बैराज से यमुना में डिस्चार्ज बढ़ाया गया है। गंगा–यमुना में अलग–अलग बैराजों से छोड़ा गया पानी लगभग एक सप्ताह बाद प्रयागराज पहुंचने की संभावना है। दोनों पानी एकसाथ आएगा तो प्रयागराज में गंगा–यमुना का जलस्तर दो से तीन मीटर बढ़ सकता है। शहर और गांव के जिन इलाकों में बाढ़ आई, वहां के लोगों को भविष्य में जलस्तर बढ़ने को लेकर चिंतित हैं।

यू–डायस पर सूचना अपडेट न करने पर चार बीईओ निलंबित

प्रयागराज। यू–डायस पोर्टल पर छात्र–छात्राओं का नामांकन अपडेट नहीं करने पर अपर शिक्षा निदेशक बेसिक कामताराम पाल ने चार खंड शिक्षाधिकारियों को गुरुवार को निलंबित कर दिया है। रायबरेली के बछरावां विकास खंड के 121 परिषदीय विद्यालयों में 68 विद्यालयों का यू–डायस पोर्टल पर चार अगस्त को दोपहर बाद तीन बजे तक स्टूडेंट प्रोग्रेसन का कार्य 56.20 प्रतिशत तक लंबित होने पर बछरावां के खंड शिक्षाधिकारी सुरेन्द्र प्रताप को निलंबित करते हुए मंडलीय सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय लखनऊ से संबद्ध कर दिया गया है। हाथरस के विकास खंड सासनी 185 विद्यालयों में से 78 का स्टूडेंट प्रोफाइल लंबित होने पर सासनी बीईओ अखिलेश प्रताप सिंह को निलंबित करते हुए मंडलीय सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय अलीगढ़ से संबद्ध कर दिया गया है। हाथरस के ही सहपऊ विकासखंड के 127 विद्यालयों में से 72 का काम लंबित होने पर सहपऊ बीईओ सुल्तान अहमद को निलंबित करते हुए एडी बेसिक अलीगढ़ कार्यालय से संबद्ध किया गया है। इसी प्रकार बुलंदशहर के पहासू विकासखंड में 159 विद्यालयों में से 57 का काम लंबित होने पर पहासू बीईओ अमित कुमार गुप्ता को निलंबित करते हुए मंडलीय सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय मेरठ से संबद्ध किया गया है। चारों अफसरों का आरोप पत्र अलग से जारी किया जाएगा।

बारिश ने खोली नाला सफाई की पोल

प्रयागराज। शुक्रवार सुबह शुरू हुई झमाझम बारिश ने शहरियों की मुसीबत बढ़ा दी। नगर निगम के नालों की सफाई की पोल भी खुल गई। मुख्य मार्गों की बात कौन कहे गलियों में इस कदर पानी भरा कि बैक फ्लो के चलते बारिश का पानी घरों में घुस

गया। बालसन चौराहा, हिन्दू हॉस्टल चौराहे जैसे ऊंचाई वाले स्थानों पर भी पानी इतना भरा रहा कि दोपहिया वाहन आधे से अधिक डूब गए। बारिश में लोग सुबह 10 बजे ऑफिस से निकले वाहन बंद होने लगे। लोगों ने आधा–आधा किलोमीटर तक वाहन खींचा और तब जाकर वाहन स्टार्ट हो गया।

भारी बारिश के कारण आठवीं तक के स्कूलों में हाफ डे

प्रयागराज। जिले में सुबह सात बजे से ही हो रही भारी बारिश के कारण आठवीं तक के सभी स्कूलों में हाफ डे घोषित कर दिया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी देवब्रत सिंह ने सभी खंड शिक्षाधिकारियों को निर्देशित किया है कि आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराएं। बीएसए का आदेश जारी होने के बाद सेंट्रल एकेडमी ने दो की बजाय 12रू30 बजे छुट्टी का मैसेज अभिभावकों को भेजा है। सेंट कोलंबस स्कूल ने भी 12रू30 बजे की बजाय 11रू35 बजे छुट्टी का मैसेज भेजा है। मौसम विभाग ने अगले तीन घंटों में प्रयागराज समेत अमेठी, आज़मगढ़, भदोही, चंदौली, ग़ाज़ीपुर, जौनपुर, कौशांबी, मिर्ज़ापुर, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, वाराणसी में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई है।

ताड़बाग और कसारी–मसारी में पकड़ी गई 19 बिजली चोरी, हंगामे के बीच भागे आरोपी

प्रयागराज। उप्र पावर कारपोरेशन लिमिटेड की ओर से नेहरू पार्क ताड़बाग, कसारी–मसारी और भगवतपुर बमरौली क्षेत्रों में बिजली चोरी के खिलाफ मेगा ड्राइव चलाई गई। अधिशासी अभियंता बमरौली राघवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में गठित तीन टीमों ने 91 घरों में जांच की, जिनमें से 19 घरों में कटियामारी पकड़ी गई। जांच के दौरान कुछ लोगों ने कर्मचारियों से विवाद किया और मोबाइल छीनने की कोशिश की, लेकिन प्रवर्तन

दल के पहुंचते ही शोर मचाने वाले लोग मौके से भाग निकले। एसडीओ बीरेंद्र सिंह व वीरेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने बताया कि इन 19 मामलों में बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसके अलावा 27 बड़े बकायेदारों की बिजली लाइन काटी गई और करीब सात लाख रुपये की वसूली की गई।

परमात्मा सर्व शक्तिशाली है इसलिए सभी की रक्षा हो: संजीव शंकर

मुजफ्फरनगर। महामृत्युंजय सेवा मिशन अध्यक्ष संजीव शंकर ने बताया कि उदयातिथि के अनुसार, रक्षाबंधन इस बार 9 अगस्त 2025, शनिवार को ही मनाया जाएगा. रक्षाबंधन के दिन यानी 9 अगस्त को राखी बांधने का मुहूर्त सुबह 5रू47

मिनट से लेकर दोपहर 1रू24 तक रहेगा, जिसकी अवधि 7 घंटे 37 मिनट की रहेगी,शनिवार को राहुकाल का समय 9रू00 से 10रू30 बजे तक होता है यह समय यदि बिताया जा सके तो अच्छा है। रक्षाबंधन की पौराणिक कथाएं में कहा जाता है कि एक बार भगवान कृष्ण के हाथ में चोट लग गई थी, तो द्रौपदी ने साड़ी का आंचल चीरकर उंगली पर बांधी थी। एक कहानी देवी लक्ष्मी और राजा बली से भी जुड़ी है। कहानी कुछ ऐसी है कि बली ने भगवान विष्णु से अपनी रक्षा का वचन लिया था, जिसके कारण वे उनके द्वारपाल बनकर रहने लगे थे, भाव यह है कि हमें जिस भी देवता पर विश्वास है कि जो हमारी रक्षा कर सकता है यह रक्षा सूत्र उसको भी बांधा जा सकता है अर्थात् निर्बल को सबल के स्वयं की रक्षा के लिए रक्षासूत्र बांधना चाहिए, जगत में परमात्मा ही सर्व शक्तिशाली है अतः सब की रक्षा हो ऐसा मंगलसूत्र भगवान को बांधे।

संस्कृत प्रतियोगिताओं से उत्तम गुणों का विकास संभव

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज के शैक्षणिक परिसर में संस्कृत सप्ताह उत्सव का समापन समारोह आनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा से इस संस्कृत सप्ताह उत्सव का उद्घाटन समारोह 4 अगस्त को हुआ था।

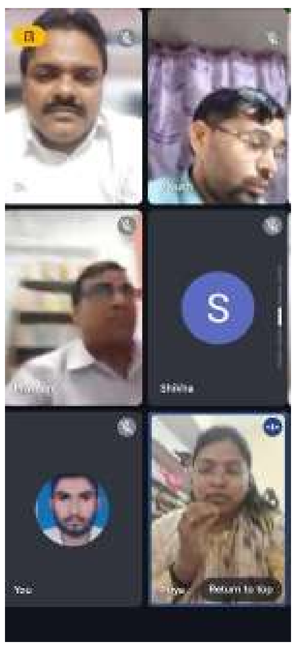

संस्कृत विभाग के शोधच्छात्र अनन्तजी मिश्र के वैदिक मंगलाचरण से समारोह की शुरुआत हुई। कार्यक्रम संयोजक सहायक आचार्य संस्कृत डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि संस्कृत भाषा पारंपरिक ज्ञान विज्ञान का साक्षात प्रतिरूप है। सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों की स्थापना में संस्कृत भाषा की विशेष उपादेयता है। समापन समारोह के सारस्वत अतिथि इविंग क्रिश्चियन कॉलेज के सहायक आचार्य संस्कृत डॉ. आरूणेय मिश्र ने कहा कि संस्कृत प्रतियोगिताएं ज्ञानार्जन का माध्यम बनती हैं। इससे विद्यार्थियों के भय संकोच मुक्त व्यक्तित्व का विकास होता है। शिक्षा अनुसंधान को गति मिलती है। उत्तम गुणों के विकास में प्रतियोगिताएं सार्थक पहल करती हैं। कार्यक्रम संचालक संस्कृत प्रवक्ता डॉ.पीयूष मिश्र ने कहा कि संस्कृत भाषा में सृजनात्मक व्यक्तित्व विकास करने की पूर्ण क्षमता है। संस्कार, संतुलन, संस्कृति संरक्षण की विशिष्टता संस्कृत की उपयोगिता को सतत बढ़ाती है। चरैवेति चरैवेति का पाठ हमें पढ़ाती है। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए संस्कृत विभाग की शिक्षिका डॉ.प्रिया झा ने कहा कि संस्कृत मानव जीवन के व्यवहार से नित्य प्रति संवाद करने वाली भाषा है। इस अवसर पर डॉ. सौरभ द्विवेदी,अनन्तजी मिश्र, नितिन त्रिपाठी, शिखा श्रीवास्तव, देवेन्द्र सिंह, शुभांकर, आर्यन गुप्ता, विवेक पांडेय, सुनैना, नैन्सी, आकांक्षा, रिया, विद्या, विनीत द्विवेदी, अर्पित शुक्ला, हंसमुख कुमारी सहित सैकड़ों विद्यार्थियों की आनलाइन उपस्थिति प्रशंसनीय रही।

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर प्राण शीघ्र जायेंगे पौराणिक खुईलन धाम

ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि व पी डी के साथ खुईलन धाम के प्राचीन झील के पुनरोद्धार कार्य की ली प्रगति और किया संवाद

डीहबलई प्रकरण में रक्षा बंधन को निर्णय देंगे लोकपाल

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा प्रतापगढ़ समाज शेखर प्राण अति प्राचीन पौराणिक स्थल खुईलन धाम के प्राकृतिक झील के पर्यटन विकास कार्यों का अवलोकन करने शीघ्र मान्धाता ब्लाक के नेवाडी ग्राम सहित संबंधित ग्रामो का भ्रमण कर प्रगति की स्थिति से अवगत होंगे। आज विकास भवन स्थित परियोजना निदेशक कार्यालय में लोकपाल ने खुईलन झील के प्रगति के संदर्भ में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मोहम्मद अशफाक व पी डी दया राम यादव से संवाद कर चर्चा की। वहीं लोकपाल ने बाबागंज ब्लाक के डीह बलई ग्राम के शिकायतकर्ता कोमल मिश्र प्रकरण में ब्लाक के प्रभारी पी डी दया राम

से तथ्यों पर चर्चा कर उनका पक्ष दर्ज किया। लोकपाल ने तय किया की रक्षा बंधन 9 अगस्त के दिन इस मामले में निर्णय दिया जायेगा। लोकपाल समाज शेखर की जन सुनवाई व संवाद शुक्रवार को बरसात के बीच जारी रहा। लक्ष्मणपुर ब्लाक व मांधाता के लंबित आख्या मामले में संबंधित को लोकपाल द्वारा आवश्यक निर्देश दिया गया। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि व पी डी दयाराम के साथ लोकपाल ने खुईलन धाम के पौराणिक झील के सौंदर्यीकरण की प्रगति से अवगत हुए। प्रतिनिधि असफाक ने बताया की कुछ कार्य भारी बरसात के कारण अव्यवस्थित हुआ है जिसे जल्द दुरुस्त कराया जायेगा। उन्होंने लोकपाल समाज शेखर से भ्रमण कर मार्गदर्शन की अपेक्षा की जिस पर लोकपाल ने कहा की शीघ्र ही इस प्राचीन महत्वपूर्ण स्थल के कार्यो के भौतिक सत्यापन हेतु लोकपाल अपना अफिसियल कार्यक्रम तय करेंगे। लोकपाल ने स्पष्ट रूप से अपेक्षा की झील के बंधो के किनारे पौध रोपण पर्याप्त मात्रा में करके तट बंधो को सुरक्षित किया जाए। साथ ही इस झील से जन्म लेने वाली (संकट हरनी) सकरनी नदी मार्ग के प्रवाह मार्ग में किसी भी प्रकार अनावश्यक अवरोध न उत्पन्न हो अन्यथा अचानक आसपास का अधिक एकत्र होने वाला जल प्रवाह आस पास को भारी नुक्सान पहुँचा सकता है। लोकपाल ने नूरपुर में विकास खंड मांधाता द्वारा बनाये जा रहे रपटा पुल के कार्य को व्यापक जनहित में जरूरी बताते हुए कार्य की सराहना की। तकनीकी विशेषज्ञों की राय से कार्यों को अंतिम रूप देने की सलाह दी।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह आयोजित

ताडेपल्लीगुडेम। एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज ने अली शाह अकादमी और उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में, विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त) के अपने सप्ताह भर के आयोजन के तहत कई गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया ।

'स्तनपान में निवेश करें, भविष्य में निवेश करें' की प्रभावशाली थीम के तहत और विश्व स्वास्थ्य संगठन की सिफारिशों के मार्गदर्शन में, हमारा मिशन शिशुओं और माताओं दोनों के लिए स्तनपान के गहन उपयोगिता के बारे में जन जागरूकता को बढ़ाना है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर बोलते हुए, प्राचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने कहा, ष्पिछले छह प्रभावशाली दिनों में, हमारी समर्पित टीमों ने समाज के विविध वर्गों तक पहुँचने के लिए डिज़ाइन किए गए कार्यक्रमों की एक व्यापक श्रृंखला का संचालन किया है। इन गतिविधियों में विभिन्न जागरूकता सत्र, निःशुल्क चिकित्सा शिविर और कॉलेज के छात्रों, प्रशिक्षुओं, शिक्षकों और चिकित्सा अधिकारियों के लिए आकर्षक प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। हमारी पहुँच सभी समुदायों तक फैली हुई थी, जिसमें ताडेपल्लीगुडेम के आसपास के गाँवों की आम जनता, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को शामिल किया गया था। इस समग्र दृष्टिकोण का उद्देश्य यह रेखांकित करना था कि कैसे स्तनपान शिशुओं को पूर्ण पोषण प्रदान करता है। साथ ही , सर्दी, बुखार और दस्त जैसी सामान्य बीमारियों के प्रति उनकी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।इनके अलावा स्तनपान बौद्धिक विकास को बढ़ावा देता है, पाचन में सहायता करता है, एलर्जी और पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करते हुए स्वस्थ विकास सुनिश्चित करता है। माँ–बच्चे के बीच के महत्वपूर्ण बंधन को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करता है।ष उन्होंने आगे कहा, ष्ये गतिविधियाँ सामूहिक रूप से एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की जन स्वास्थ्य और सामुदायिक कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को पुष्ट करती हैं। उन्होंने कहा कि यह मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के वैश्विक प्रयासों के साथ सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं।ष् विगत बुधवार को, क्षेत्र भर में कई प्रमुख कार्यक्रम और पहल आयोजित की गईं। इनके तहत ताडेपल्लीगुडेम रेलवे स्टेशन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके साथ ही एक समर्पित स्तनपान कक्ष का उद्घाटन भी किया गया। यह पहल सार्वजनिक स्थानों पर स्तनपान कराने वाली माताओं को सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम में जागरूकता कार्यक्रमरू ऑरा फाउंडेशन के संस्थापक करिबांडी रामकृष्ण के सहयोग से, ताडेपल्लीगुडेम के सत्यवतीनगर स्थित श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम में एक और प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रत्येक विश्वविद्यालय में वैदिक विज्ञान केंद्र की स्थापना होनी चाहिएः श्रीमान् अशोक मेहता

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज, संस्कृत भारती, प्रयागराज, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं भारतीय भाषा अभियान के संयुक्त तत्त्वावधान में परिसर में संस्कृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 07–08–2025 को संस्कृत सप्ताह महोत्सव के द्वितीय दिन संस्कृत विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ । जिसमें संस्कृत में निहित ज्ञान परम्परा का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. हरिदत्त शर्मा, विशिष्टातिथि के रूप में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अपर महाधिवक्ता श्रीमान् अशोक मेहता एवं विषय प्रवर्तक एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में परिसर के वरिष्ठाचार्य प्रो. बनमाली विश्वाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी जी ने किया।

विशिष्टातिथि के रूप में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अपर महाधिवक्ता श्रीमान् अशोक मेहता जी ने बताया कि संस्कृत भाषा में बहुत सारे वैज्ञानिक तथ्यों और विधि शास्त्र के सिद्धान्तों का विवेचन किया गया है। संस्कृत शास्त्रों में पारा से स्वर्ण बनाये जाने की विशिष्ट शैली का वैज्ञानिक वर्णन है। शोध में भारतीय पक्षों के समावेश के लिये प्रत्येक विश्वविद्यालय के केंद्र में वैदिक विज्ञान केंद्र की स्थापना होनी चाहिए।

मुख्यातिथि के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. हरिदत्त शर्मा जी ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से संस्कृत में निहित वैज्ञानिक सिद्धांतों के प्रदर्शन को देखकर वह अत्यन्त प्रभावित हैं, इस प्रदर्शनी के निर्माण कार्य करने वालों की इन्होंने भरपूर प्रशंसा किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने बताया कि संस्कृत में निहित नाड़ी विज्ञान द्वारा स्वास्थ्य संबंधित सभी समस्याओं का निराकरण संभव है, नाड़ी परीक्षण की विद्या के अध्ययन के लिए तप की आवश्यकता होती है, इस विद्या को आज पुनः जीवित करने की आवश्यकता है।

परिसर सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने समस्त आगन्तुकों एवं उपस्थित जनों का स्वागत कर संस्कृत में निहित विज्ञान से सम्बद्ध 22 प्रकार के सिद्धांतों का वर्णन किया, जिनका प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शन किया गया।

वरिष्ठाचार्य प्रो. बनमाली विश्वाल जी ने बताया कि छम्ब 2020 ने उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा को प्रविष्ट कराने का कार्य किया है। संस्कृत में ही भारतीय ज्ञान परम्परा सुरक्षित है। भारतीय संस्कृति में नित्य नैमित्तिक कार्यों का महत्व रहा रहा है, जिसमें विभिन्न प्रकार के दिनानुदिन किये जाने वाले कार्यों का निर्देश मिलता है । इन सभी का वर्णन संस्कृत में प्राप्त होता है।

इसी क्रम में दिनांक 08–08–2025 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के समस्त प्राध्यापक गण, परिसर के छात्र–छात्राओं एवं कर्मचारियों द्वारा संस्कृत शोभा यात्रा निकाली गई, शोभायात्रा के समापन के अनन्तर आजाद पार्क में स्थित अमर हुतात्मा चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा के समक्ष संस्कृत में निहित वैज्ञानिक सिद्धान्तों को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी को भी आम जनमानस के लिये प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अंकित मिश्र, सहायकाचार्य ने किया। इस अवसर पर परिसरीय समस्त प्राध्यापक गण, अधिकारी, कर्मचारी तथा छात्र समुपस्थित रहे।

12 तोला सोना दिलाने का साथ आये मनीष चौधरी

पीड़ित परिवार को लेकर एसएसपी से की मुलाकात, बरामदगी न होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

मुजफ्फरनगर। नाबालिग को घर से भगाकर उसके द्वारा लाये गये 12 तोला सोना बेचने के मामले में खालापार पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध बनी हुई है। आरोपी को जेल भेजा जा चुका है, लेकिन बरामदगी शून्य है। इसमें पीड़ित परिवार ने थाना पुलिस से गुहार की तो उसको ही धमकाया जा रहा है। ऐसा आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष मनीष चौधरी ने पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाने की आवाज उठाते हुए एसएसपी से मिलकर शिकायत की है।

अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के युवा अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष मनीष चौधरी ने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कहा कि आज नाबालिग बहन ने रक्षाबंधन के अवसर पर रक्षा सूत्र बांधकर रक्षा का वचन लिया है। उसी वचन

को निभाने के लिए हम आज यहां एसएसपी कार्यालय पहुंचे और इस नाबालिग के लिए इंसाफ की मांग की है। बताया कि इस नाबालिग को एक लड़का बहला फुसलाकर ले गया था। पुलिस में परिजनों ने शिकायत की तो लड़का पकड़ा गया और वो जेल में है। घर से जाते समय नाबालिग 12 तोला सोना और नगदी ले गयी थी। हमारी मांग यही है कि ये सामान वापस मिलना चाहिए। इसमें पीड़ित पक्ष की ओर से हमने एसएसपी के नाम प्रार्थना पत्र दिया है और बरामदगी की मांग की है।

मनीष चौधरी ने बताया कि परिवार का कहना है कि आरोपी लड़के सुब्हान पुत्र परवेज निवासी किदवईनगर के परिजनों ने जानकारी दी है कि लड़की द्वारा लाया गया सोना सुब्हान ने गयास और अनस पुत्र ग्यास निवासी ग्राम जौला को बेचा था। यह सोना अनस पुत्र मुन्ना निवासी बुढ़ाना ने बिकवाया था। इसमें लड़के के परिजनों ने 3.47 हजार रुपये ही पीड़ित परिवार को वापस कराये हैं। इसके लिए पीड़ित पक्ष ने कई बार खालापार थाना प्रभारी महावीर सिंह चौहान से मिलकर बरामदगी की मांग की है। मनीष चौधरी ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी की भूमिका इसमें संदिग्ध है और वो लगातार पीड़ित पक्ष को ही धमका रहे हैं। इसके साथ ही इसमें लड़के के पिता परवेज, माता और सहयोग करने वाले मौसा के खिलाफ पुलिस ने कार्यवाही नहीं की। मनीष चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि पीड़िता को न्याय नहीं मिला तो वो आंदोलन करने को विवश होंगे। बताया कि एसएसपी संजय वर्मा ने पीड़िता की बात को सुनकर थाना प्रभारी खालापार को बरामदगी के लिए कार्यवाही के निर्देश दिये हैं। इस दौरान मनीष चौधरी के साथ डॉ. नाजिश, उवैश, शोबी, सलमान, फरमान अली, शमशाद नंबरदार और उजमा आदि मौजूद रहे।

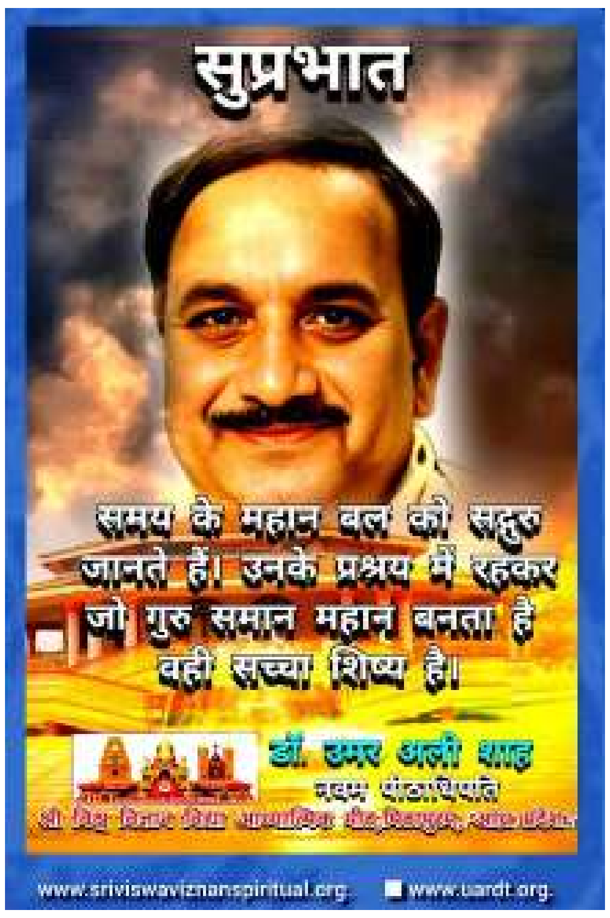

मिला भादो से सावन

(कुण्डलिया)

सावन का अन्तिम दिवस, पावन शुभ संदेश।
हरे–भरे संबन्ध से, चुनना हरदम क्लेश।
चुनना हरदम क्लेश, बोलना मीठा–तीखा।
जिसमें हो वह सत्य,रहे जो पुष्प–सरीखा।
रिश्ते तभी प्रदीप,लगेंगे सबको भावन।
करके प्रेम प्रणाम,मिला भादो से सावन।।

सावन की शिव–साधना,पावन प्रेम–मिलाप।
बयाँ कर रही पूर्णिमा,सबका हरके ताप।
सबका हर के ताप, खुशी अंतस में भरके।
बनकर शुभ त्योहार,सभी के दिल में बसके।
सुन लो कहें प्रदीप,चहकते हैं घर–आँगन।
सबको दे मुस्कान,जा रहा है अब सावन।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

क्रांति दिवस के उपलक्ष्य में सेंट्रल जेल में देश भक्ति गीत एवं काव्य संगोष्ठी का आयोजन

जबलपुर। क्रांति दिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश हिंदी लेखिका संघ की जबलपुर इकाई के द्वारा केंद्रीय कारागार जबलपुर में क्रांति दिवस के अवसर पर देशभक्ति पूर्ण गीत – काव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कारागार जबलपुर के बन्दियों द्वारा सुमधुर आर्केस्ट्रा के साथ आकर्षक देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति की गई। हिंदी लेखिका संघ मध्य प्रदेश की जबलपुर इकाई के सदस्यों द्वारा भी स्वरचित देशभक्ति कवितायें एवं गीतों की प्रस्तुति की गई।कार्यक्रम में श्रीमती अर्चना मैलया,डॉ कामना श्रीवास्तव कोस्तुभ ,डॉ.मुकुल तिवारी, छाया त्रिवेदी, निधि त्रिवेदी ,निर्मला तिवारी,अर्चना गोस्वामी, डॉ.शोभा सिंह,ज्योति

मिश्रा,उमा मिश्रा प्रीति छाया सक्सेना,चंद्र प्रकाश वैश्य, राजकुमारी रैकवार,प्रभा बच्चन श्रीवास्तव,रचना श्रीवास्तव , प्रतिमा अखिलेश,डॉ.छाया सिंह,अलका पटेल,कृष्णा राजपूत,सिद्धेश्वरी सराफ श्शीलू श की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।कार्यक्रम का संचालन डॉ.कामना कौस्तुभ आभार प्रदर्शन डॉ. मुकुल तिवारी ने किया। केंद्रीय जेल सभागार में अधिकारी जेल अधीक्षक श्री अखिलेश तोमर उप जेल अधीक्षक श्री मदन कमलेश

उप जेल अधीक्षक श्रीमति रूपाली मिश्रा ,उप जेल अधीक्षक श्री यशवंत मांझी,कल्याण अधिकारी श्रीमति सरिता घारू ,श्रीमति अंजू मिश्रा सहायक जेल अधीक्षकके साथ ही अनेक महिला पुरुष बंदी उपस्थित थे। गीत कलाकार बंदियों द्वारा सुमधुरआर्केस्ट्रा की धुन के साथ देश भक्ति गीत प्रस्तुत किये गये। हिंदी लेखिका संघ की सदस्यों ने भी काव्य पाठ्य के साथ गीतों की प्रस्तुति की।

एसएसपी मुजफ्फरनगर संजय कुमार वर्मा द्वारा प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षु आरक्षियों की क्लासरूम का निरीक्षण कर प्रशिक्षकों को दिशा–निर्देश दिये गये

मुजफ्फरनगर। अवगत कराना है कि आज दिनांक 08.08. 2025 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर संजय कुमार वर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु आरक्षियों के क्लासरुम का निरीक्षण किया गया।इस दौरान महोदय द्वारा प्रशिक्षण व्यवस्था, पाठ्यक्रम संचालन, उपस्थिति रजिस्टर एवं प्रशिक्षण सामग्री की स्थिति का अवलोकन किया गया साथ ही प्रशिक्षण दे रहे अधिकारियों/प्रशिक्षकों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण पद्धति अपनाने तथा अनुशासन, समयपालन, तकनीकी

प्रशिक्षण पद्धतियों में गुणवत्ता बढ़ाने, पुलिसिंग के मूलभूत सिद्धांतों, कानून व्यवस्था बनाए रखने की प्रक्रिया एवं नागरिक हितों की सुरक्षा के प्रति पूर्ण सजगता सिखाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशिक्षु आरक्षियों को नियमित अध्ययन एवं कानून संबंधी जानकारी में दक्षता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण से ही दक्ष, अनुशासित एवं जिम्मेदार पुलिस बल का निर्माण संभव है, जो समाज में कानून–व्यवस्था बनाए रखने में प्रभावी भूमिका निभा सके।

सम्पादकीय........

कर्ज का मर्ज

कभी देश की किसानी के लिये आदर्श कहे जाने वाले पंजाब के किसान आज कर्ज के मर्ज से इतना क्यों त्रस्त होते जा रहे हैं, यह गंभीर विमर्श का विषय होना चाहिए। निस्संदेह, मौजूदा हालात में कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये प्रभावी कदम उठाने की सख्त जरूरत है। हाल ही में लोकसभा में पेश की गई नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट की रिपोर्ट पंजाब के किसानों की गंभीर वित्तीय स्थिति को उजागर करती है। जो उन्हें देश में संस्थागत ऋण लेने वाले किसानों की सूची में शीर्ष पर रखती है। यह रिपोर्ट कई चौंकाने वाले खुलासे करती है। रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया गया है कि राज्य के लगभग पच्चीस लाख किसानों ने कृषि कार्यों के लिये विभिन्न बैंकों से ऋण लिया है। वहीं दूसरी ओर प्रत्येक किसान पर करीब तीन लाख रुपये का कर्ज चढ़ा है। इससे पहले देश की संसद को सूचित किया गया था कि पंजाब में वर्ष 2017 से 2021 तक करीब एक हजार किसानों ने अपनी जीवन लीला आत्महत्या करके समाप्त कर ली थी। दरअसल, जांच–पड़ताल में यह बात भी सामने आई थी कि इन आत्महत्याओं के मूल में कर्ज का भारी बोझ ही था। कर्ज न चुका पाने या कर्ज वसूली के तौर–तरीकों से आहत किसान मौत को गले लगाना अंतिम समाधान मानने लग जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि इस संकट से सिर्फ किसान ही जूझ रहे हैं, कमोबेश खेतिहार मजदूरों के लिये भी परिदृश्य उतना ही निराशाजनक है। दरअसल, पिछले साल अर्थशास्त्रियों के पटियाला स्थित एक थिंक टैंक द्वारा कराये गये एक अध्ययन में पाया गया कि पंजाब में खेतों में काम करने वाले मजदूरों पर उनकी वार्षिक आय से चार गुना कर्ज चढ़ा हुआ था। यह कर्ज औसतन चौबीस हजार रुपये बताया गया था। यह अध्ययन कई गंभीर मुद्दों की ओर ध्यान दिलाता है। इस अध्ययन में बताया गया कि वर्ष 2015 से 2019 के बीच 898 खेतिहर मजदूरों ने भी आत्महत्या करके जीवन लीला समाप्त कर ली थी। निस्संदेह, ये हालिया आंकड़े कृषि की चिंताजनक स्थिति की ओर इशारा करते हैं। वहीं दूसरी ओर ये आंकड़े उन कृषि नीतियों पर सवालिया निशान लगाते हैं, जो अनाज उत्पादक किसानों की आर्थिक परेशानियों को कम करने के लिये लागू करने की बात देश के नीति–नियंता करते हैं। पंजाब की आम आदमी सरकार विगत में दावे करती रही है कि वह अपनी किसान कल्याण नीति के निर्माण की दिशा में तेजी लायेगी। साथ ही यह भी कह रही है कि वह चुनाव के दौरान किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिये किये गये वायदे को पूरा करने के लिये प्रतिबद्ध है। यह साफ है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान लाई गई ऋण माफी योजना के प्रभावी परिणाम सामने नहीं आये हैं। जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि किसानों की किस्मत बदलने के लिये सिर्फ राहत पैकेज से काम नहीं चलेगा। इसके लिये कुछ ठोस कदम उठाने की भी जरूरत होगी। दरअसल कृषि अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिये प्रभावी और महत्वपूर्ण स्थायी कदम उठाने की जरूरत है। मौजूदा ऋण संकट के अलावा नीति–नियंताओं को लगातार बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग के खतरों के बीच व्यापक रणनीति बनाने की जरूरत होगी। इसके अंतर्गत जहां पर्यावरण अनुकूल और अधिक उपज देने वाली फसलों की किस्मों के विविधीकरण पर बल देने की जरूरत है, वहीं भूजल संकट को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता होगी। साथ ही फसलों के उन बीजों के शोध व अनुसंधान पर भी काम करना होगा जो कम बारिश व अधिक तापमान के बीच उत्पादकता को बढ़ा सकती हैं। अन्यथा हमारी खाद्य शृंखला संकट में पड़ सकती है। इसमें पराली जलाने से उपजे संकट का भी समाधान निकालना होगा। इसमें दो राय नहीं कि जो किसान देश के नागरिकों की थाली में भोजन पहुंचाने के लिये तन झुलसाती गर्मी, रक्त जमाती सर्दी और बारिश में कड़ी मेहनत करते हैं, वे बेहतर सुविधाओं के हकदार हैं। ताकि उनके लिये कृषि महज घाटे का सौदा साबित न हो।

सरकारों की विकासलीला

डॉ. दीपक पाचपोर

हिमालय को भारत का मुकुट बताकर उस पर गर्व करना, हिमालय की सुंदरता का बखान, उस पर धार्मिक पहचान का ठप्पा इन सबके चक्कर में हिमालय की वास्तविकता से आंख चुराई जाती रही।

उत्तराखंड के धराली में बादल फटने की घटना ने एक बार फिर केदारनाथ हादसे की याद दिला दी है, जिसमें हजारों जिंदगियां तबाह हो गई थीं। केदारनाथ से धराली के बीच बाढ़ और भूस्खलन के कई और हादसे देश के अन्य इलाकों में हो चुके हैं। जान–माल का भारी नुकसान होने के बावजूद ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से कोई सबक हमने नहीं लिया है। हर बड़ी दुर्घटना को प्रकृति की विनाशलीला कहकर अपने सिर से जिम्मेदारी झटक दी जाती है। हम कभी यह नहीं कहते कि ये दुर्घटनाएं लोभी सरकारों की विकासलीला का परिणाम हैं। हिमालय को भारत का मुकुट बताकर उस पर गर्व करना, हिमालय की सुंदरता का बखान, उस पर धार्मिक पहचान का ठप्पा इन सबके चक्कर में हिमालय की वास्तविकता से आंख चुराई जाती रही। सत्ता में बैठे बहुत कम लोग इस बात की फिक्र करते हैं कि उनके फैसलों का असर भौगोलिक संरचना को कैसे बिगाड़ रहा है। मंगलवार को धराली में सैलाब ने बस्ती को उजाड़ दिया। हर्षिल क्षेत्र में खीर गंगा गदेरे (गहरी खाई या नाला) का जलस्तर अचानक बढ़ने से धराली गांव में एक के बाद एक बड़ी लहरें आई और समूचे गांव को मिनटों में सूना कर दिया। इस घटना में 40 से 50 घर बह गए हैं और सौ से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। असल में कितनों की मौत हुई, कितने बचे, कितने लापता हुए इसका कुछ पता नहीं है। एक स्थानीय नागरिक के मुताबिक गांव के ज़्यादातर लोग एक पूजा में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे। चार अगस्त की रात और पांच अगस्त की सुबह भी पूजा थी। पूरा गांव पूजा में शामिल हो रहा था, अगर हादसा चार तारीख को होता, तो शायद नुकसान और बड़ा होता। गौरतलब है कि धराली गंगोत्री के रास्ते में पड़ता है और ये जगह हर्षिल वैली के पास है, यहीं कल्प केदार का है, जहां श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। चारधाम यात्रा का रास्ता धराली से होकर भी गुजरता है. ऐसे में श्रद्धालु कई बार धराली के होटलों में भी रुकते हैं। खीरगंगा के उफन कर बहने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि छोटे–बड़े घरों, दो मंजिला मकानों, होटलों तक सब सैलाब में बहते गए, वीडियो में घबराए लोगों की चीख–पुकार भी सुनी जा सकती है, वहीं पहाड़ के ऊपर की तरफ से लगातार सीटियों की आवाज सुनाई दे रही है। दरअसल ये सीटियां मौजमस्ती की नहीं, बल्कि चेतावनी की है। मुखबा गांव से धराली गांव के ऊपर के क्षेत्र की पहाड़ियां दिखाई देती हैं। मुखबा के लोगों ने पहाड़ी से जैसे ही खीर गंगा को उफन कर नीचे आते देखा तो धराली के लोगों को आगाह करने के लिए सीटियां बजानी शुरू कर दी। अब इस चेतावनी को कितनों ने समझा और कितनों ने अपनी जान बचाई, इसका कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। वैसे स्थानीय लोगों के मुताबिक पहाड़ों पर सीटी बजाकर आपदा की सूचना देने का तरीका काफी पहले से आजमाया जाता रहा है। पहाड़ों की कहानियों, मुहावरों, लोकोक्तियों में भी कई तरीके से इस बात को समझाया गया है कि जंगल, नदी, पहाड़ों के साथ इंसान का व्यवहार कैसा होना चाहिए। अगर इंसान अपनी हद पार करे तो फिर क्या नुकसान हो सकता है, यह भी लोकभाषा में वर्णित है। मगर आधुनिकता की हनक में लोक संस्कृति, व्यवहार और भाषा का तिरस्कार किया जाता है, जिसका खामियाजा कभी न कभी भुगतना ही पड़ता है। उत्तराखंड को लेकर काफी अर्से से चेतावनी दी जाती रही है कि यहां का मिजाज समझ कर ही फैसले लिए जाने चाहिए। किंतु इन चेतावनियों को लगातार नजरंदाज कर धर्म के नाम पर पर्यटन को बढ़ाना और विकास के नाम पर पहाड़ों का दोहन जारी है। विकास और रोजगार के नाम पर तेजी से पहाड़ों को काटा जा रहा है, कहीं सुरंग, कहीं पुल, कहीं सड़कें बन रही हैं। लाखों पेड़ काटकर, जंगल उजाड़ कर कारखाने लगाए जा रहे हैं, बड़े बांध बन रहे हैं। इन सबका दुष्परिणाम बार–बार सामने आ रहा है। हर बार तबाही के बाद सरकार के रटे–रटाए वाक्य सामने आते हैं कि मुश्किल की इस घड़ी में हम लोगों के साथ हैं। यथासंभव राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है। मृतकों के लिए हमारी संवेदनाएं हैं। मगर अब जनता को पूछना चाहिए कि क्या वाकई आपकी संवेदनाएं हमारे साथ हैं, अगर हैं तो फिर बार–बार ऐसे हादसे क्यों हो रहे हैं। मंदिरों में भीड़ बढ़ाने के लिए कहीं ऑल वेदर रोड बन रही है, कहीं हेलीकॉप्टरों से श्रद्धालुओं का आवागमन हो रहा है। क्या दो मिनट वाले भोजन की तरह भक्ति का फल भी दो मिनट में चाहिए। पहले तीर्थाटन कठिन होते थे, क्योंकि व्यक्ति कष्ट सहकर अपने आराध्य के दर्शन करने पहुंचता था। दुरूसाध्य यात्रा कर व्यक्ति परमात्मा से पहले स्वपरिचय प्राप्त करता था। जीवन के उन पहलुओं पर विचार के अवसर तीर्थ यात्री को दुर्गम रास्तों पर मिलते थे, जो सांसारिक जीवन में मगन रहते हुए नहीं मिलते हैं। मगर अब व्यस्त जीवन से कुछ पल भक्ति के लिए निकालने हैं तो उसमें भी सारी सुविधाएं चाहिए। भक्त ज्यादा आएंगे तो मंदिरों में चढ़ावा ज्यादा आएगा, आसपास के व्यापार, कारोबार को बढ़ावा मिलेगा, हो सकता है कुछ लोगों के लिए कमाई के अवसर बढ़ें। लेकिन दो पल में ही कैसे ये सब तबाह हो सकता है, ये उत्तराखंड में फिर नजर आ गया है। विडंबना यही है कि प्रकृति के संदेश को समझ कर भी अनदेखा किया जा रहा है।

भारत के खिलाफ ट्रंप का टैरिफ वॉर- बातचीत से पहले दबाव बनाने की कोशिश या बड़ी लड़ाई का संकेत

संतोष कुमार पाठक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी के मुताबिक, भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इस नए ऐलान के बाद भारत पर अब कुल मिलाकर अमेरिका ने 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों– भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है। ट्रंप का यह फैसला अपने आप में कितना अजीब है कि रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाले देश चीन पर उसने सिर्फ 30 प्रतिशत का ही टैरिफ लगाया है, जबकि भारत पर 50 प्रतिशत थोप दिया है। ऐसे में अब सवाल यह उठ रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के इस जिद भरे फैसले को कैसे देखा जाए क्योंकि अमेरिका इस बात को बखूबी समझता है कि भारत की कोई भी सरकार अमेरिका के दबाव में रूस के साथ अपने कारोबारी रिश्ते को खत्म नहीं कर सकती है। भारत रूस से तेल भी खरीदता रहेगा और व्यापारिक संबंध भी रखेगा। ऐसे में कई जानकारों का यह भी मानना है कि ट्रंप का यह फैसला बातचीत से पहले भारत पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। याद दिला दें कि, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते और टैरिफ को लेकर बातचीत लगातार जारी है और छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल 25 अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान के बाद, भारत ने बुधवार को ही इसका जवाब भी दे दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को ही अमेरिका के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए बयान जारी कर कहा कि, हाल के दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात बाज़ार के कारकों पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं। इसलिए, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर उन कार्यों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का विकल्प चुना है जो कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हित में कर रहे हैं। भारत ने अपने बयान में अमेरीकी फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए आगे स्पष्ट तौर पर कहा, 'हम दोहराते हैं कि ये कार्य अनुचित और अविवेकपूर्ण हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को स्वयं मोर्चा संभालते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश देने का भी प्रयास किया।आईसीएआर पूसा में आयोजित एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई–बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है।' इन तमाम बयानों से यह

साफ–साफ नजर आ रहा है कि टैरिफ की यह लड़ाई लंबी खिंचने वाली है। ऐसे में समय की यह मांग भी है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करने के साथ–साथ अमेरिका को एक बड़ा झटका भी देने की तरफ बढ़े और यह वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयासों से ही संभव हो सकता है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने पहले ही डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए यह कह दिया है कि, वह टैरिफ पर बात करने के लिए ट्रंप को कॉल नहीं करेंगे। इसकी बजाय वह भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग जैसे नेताओं के साथ बातचीत करना चाहेंगे। भारत को भी इसी तरह का सख्त स्टैंड लेते हुए बातचीत करने के लिए 25 अगस्त को आ रहे अमेरिकी अधिकारियों का दौरा रद्द कर देना चाहिए। इसी महीने के अंत में जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चीन, रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान के साथ मिलकर डोनाल्ड ट्रंप को सबक सिखाने की रणनीति बनाने पर काम करना चाहिए। लेकिन ऐसा करते समय, चीनी राष्ट्रपति को यह स्पष्ट तौर पर बता भी देना चाहिए कि ऐसे मौके का फायदा उठाकर अगर चीन की सेना ने भारत–चीन सीमा पर कोई नापाक हरकत की तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत के लिए सही मायनों में यह आपदा में अवसर का प्रतीक है और अगर हमने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सही तरीके से अपना दांव चला तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं पाएगा।

रिश्तों और अर्थतंत्र को छिन्न भिन्न करता इंटरनेट और मोबाइल

संजीव ठाकुर

समाज मे आज मध्यम,निम्न वर्ग के लोगों के द्वारा मोबाइल, इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग से पारिवारिक व सामाजिक रिश्तो में सेंध पड़ गई है। बच्चे,युवा,पुरुष तथा महिलाएं मोबाइल तथा इंटरनेट के बेहद आदि हो गए हैं पुत्र पुत्रियों की इस आदत से पीछा छुड़ाना भी अभिभावकों के लिये सिरदर्द बन चुका है। परिवार में यदि चार सदस्य हैं तो चारों के पास आज की सामाजिक व्यवस्था के तहत मोबाइल होना अत्यंत आवश्यक है और यही आवश्यकता परिवार तथा समाज के रिश्तों में भारी कड़वाहट पैदा कर रही है। छोटे–छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग व्यक्तियों तक मोबाइल की आदत एवं एक ही कमरे में अलग–अलग बैठकर अलग–अलग अपने मित्रों,सहपाठियों और रिश्तेदारों के भेजे गए मैसेज का जवाब,लाइक,फॉलो करने में लगे हुए रहते हैं। और परिवार के सदस्यों की इस आदत के कारण बच्चों का माता–पिता के प्रति आदर सम्मान एवं स्नेह जैसे खत्म होता जा रहा है। आपस में बात करने की ना तो जरूर समझते हैं ना ही गुंजाइश रह गई है। ऐसे वातावरण में पारिवारिक समरसता तथा एकता अब लगभग खत्म होती नजर आ रही है। छोटे बच्चे बिना मोबाइल देखें अब भोजन भी नहीं करते हैं। माताएं अपने बच्चों को दिल बहलाने और उन्हें खाना खिलाने के लिए मोबाइल तथा इंटरनेट का सहारा ले रही है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक तो है ही पर अब यह खतरनाक रूप ले चुकी है। पहले टेलीविजन ने फिर कंप्यूटर ने अब मोबाइल और इंटरनेट ने सामाजिक व्यवस्था को छिन्न–भिन्न करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। इसके अलावा मध्यम वर्गीय परिवार में मोबाइल तथा इंटरनेट के भुगतान ने एक बड़ा आर्थिक बोझ डाल दिया है। जिससे निम्न मध्यम वर्गीय परिवार का बजट बिगड़ता नजर आ रहा है। अब परिवार में भोजन के बाद मोबाइल तथा इंटरनेट की सेवा सबसे आवश्यक हो गई है जो परिवार के लिए समाजार्थिक रूप से सर दर्द बन चुकी है। इस पर तुरंत अंकुश लगना चाहिए अन्यथा संयुक्त तथा एकल परिवार भी विघटन की स्थिति में आ जाएगें। टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट के अविष्कार के बाद मानवीय संचार माध्यम के अविष्कार के बाद संचार विज्ञान के इतिहास में अत्यंत तूफानी विकास है। अमेरिका में एक दूसरे के सूचना माध्यमों को जोड़कर जानकारी गुप्त रूप से आदान–प्रदान करने के लिए 1969 में अमेरिका में कंप्यूटर में श्अपारनेटश की स्थापना की गई थी। इसी परिकल्पना के साथ कंप्यूटर नेटवर्क, आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क इंटरनेट के रूप में परिवर्तित हो गया। आज लोगों के शौक खेलना, पढ़ना ,संगीत सुनना, चित्र बनाना ,फोटोग्राफी परिवर्तित होकर 90: लोगों के इंटरनेट सर्फिंग, संगीत सुनना और चित्र बनाने जैसे शौक इंटरनेट से मोबाइल अथवा कंप्यूटर के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। विश्व में जनसंख्या के हिसाब से 4 अरब लोग इंटरनेट कंप्यूटर तथा मोबाइल के माध्यम से सुबह शाम इस्तेमाल कर रहे हैं। भारतीय संदर्भ में 142 करोड़ की अनुमानित जनसंख्या वाले देश में लगभग 40: लोग मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग कर एक दूसरे से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इंटरनेट एक ऐसा सेवक है जो मोबाइल के माध्यम से आपके सभी आदेशों का पालन करने के लिए दिन रात उपलब्ध है। हवाई जहाज की, होटल की, किताबों की और व्यापार बढ़ाने की योजनाओं की बुकिंग इंटरनेट द्वारा घर बैठे कंप्यूटर या मोबाइल से किया जा सकता है। सरकार की प्रशासनिक कार्यों से लेकर व्यापार ,शिक्षा के नव अवसर भी इंटरनेट के माध्यम से पूर्ण किए जाने लगे हैं। इंटरनेट ने पूरे विश्व को एक दूसरे के एकदम करीब लाने के साथ–साथ सूचना प्रौद्योगिकी में एक चमत्कारिक परिवर्तन लाया है। गौरतलब है कि पूर्व में जहां गरीब उपभोक्ता 10 से लेकर 100 तक आसानी से रिचार्ज करा लिया करता था ,अब इंटरनेट की कंपनियां 200 से लेकर 1000 तक बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट की सुविधा भी साथ में उपलब्ध करा रहे हैं जो सीधे–सीधे आम उपभोक्ता के लिए उनकी आर्थिक स्थिति में सेंध मारने जैसा कार्य है और परिवार की समरसता पर कुठारा घात जैसा हमला कर रहा है। ये सेवाएं स्वैच्छिक हैं, उपभोक्ता इंटरनेट की सेवाएं लेना चाहे तो ले अन्यथा केवल बातचीत करने की सेवाएं सी ले सकता है,पर एक बार इंटरनेट इस्तेमाल करने की आदत पड़ने के बाद उपभोक्ता इसका आदी होने लगता है।अब स्थिति यह है कि सीधा 28,58,89 दिनों के लिए इंटरनेट के साथ बात करने की सुविधा महंगी दरों में उपलब्ध कराई जा रही है। जिससे गरीब उपभोक्ता की जेबों में हमला कर उनका मासिक बजट बिगाड़ने का काम हो रहा है, इस तरह से बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट भी दिया जाना भारत के ग्रामीण क्षेत्र में गरीब व्यक्ति को और भी गरीबी के दलदल में धकेलने जैसा ही है। यह सभी कंपनियों का गरीब उपभोक्ता के जेबों में सीधे–सीधे पैसे निकालने का सुनियोजित षड्यंत्र की तरह कर रहीं हैं, इस पर प्रभावी नियंत्रण अति आवश्यक है। इस तरह के मोबाइल रिचार्ज पर सरकार को कड़ा कानून बनाकर इस के नियमन पर नियंत्रण रखना होगा। यह एक तरह की उपभोक्ताओं की परोक्ष तथा अदृश्य भावनाओं से खेल कर उनके बजट से आर्थिक लाभ लेने की सुनियोजित योजनाएं हैं ,जिनमें तत्काल नियंत्रण की आवश्यकता होगी। भारत में इंटरनेट सेवा की शुरुआत भारत संचार निगम लिमिटेड ने वर्ष 1995 में की थी अब एयरटेल, रिलायंस, टाटा इंडीकॉम, वोडाफोन, जैसी दूरसंचार कंपनियां इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराती है। विज्ञान की प्रकृति के साथ–साथ सूचना संचार माध्यम में आशातीत वृद्धि हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में कहा जाता है कि इंटरनेट दुनिया के सबसे बड़ा पुस्तकालय है यहां सभी पुस्तकें पढ़ने के लिए उपलब्ध हैं। इंटरनेट की एक को ही देखकर हमें भारतीय संदर्भ में आम उपभोक्ताओं के आर्थिक बजट को भी ध्यान में रखकर इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों पर नजर रख बातचीत करने के लिए सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ इंटरनेट उपलब्ध कराना एक विकल्प रखना चाहिए। अन्यथा सीधा–सीधा इंटरनेट कंपनियां भारतीय आम उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ने का काम ही कर रही है। इसके अलावा इंटरनेट से बच्चों तक अवांछित नग्न दृश्य भी इंटरनेट आसानी से उपलब्ध कराकर उनके भविष्य से खिलवाड़ भी कर रहा है। लोग इंटरनेट का दुरुपयोग कर अश्लील साइटों को देखने और सूचनाओं को चुराने में भी सकते इससे साइबर अपराधों में वृद्धि हुई है।भया दोहन की घटनाएं भी बार–बार इंटरनेट के माध्यम से आम उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। अतः भारतीय उपभोक्ताओं को यह सलाह है कि इंटरनेट का ज्ञान की तरह उपयोग करें ,कूड़ेदान की तरह नहीं। यदि इसका सही उपयोग ज्ञान के सागर में गोता लगाने के लिए किया जाए और ज्ञान उपलब्ध हो सके तो इससे अच्छी कोई बात नहीं हो सकती। बस इसके आर्थिक पक्ष पर भी समुचित नजर रखी जानी चाहिए।

नेहा धूपिया के फ्रीडम टू फीड सैशन में राधिका आप्टे ने बॉलीवुड में प्रेगनेंसी को लेकर भेदभाव पर की बात

नेहा धूपिया के लाइव सेशन 'फ्रीडम टू फीड' के दौरान जानी–मानी अभिनेत्री राधिका आप्टे ने खुलकर अपनी प्रेगनेंसी के शुरुआती दिनों में काम के दौरान आई चुनौतियों और भावनात्मक संघर्षों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे मातृत्व को लेकर आज भी फिल्म इंडस्ट्री में भेदभाव देखा जाता है। राधिका ने बताया कि जब उन्होंने अपनी प्रेगनेंसी की जानकारी दी, तब भारत में एक प्रोड्यूसर का रिएक्शन काफी ठंडा और असंवेदनशील था। उन्होंने कहा, "मैं भारत में एक प्रोजेक्ट कर रही थी और जब मैंने प्रेगनेंसी के बारे में बताया, तो उस प्रोड्यूसर को यह बात पसंद नहीं आई। उन्होंने कहा कि मुझे टाइट कपड़े पहनने होंगे, भले ही मैं असहज महसूस कर रही थी। मैं पहले ट्राइमेस्टर में थी, मुझे बहुत क्रेविंग होती थी, चावल, पास्ता जैसी चीजें खा रही थी, शरीर में बदलाव आ रहे थे, लेकिन इसके बावजूद मेरे साथ संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई। यहां तक कि जब मुझे दर्द हो रहा था, तब भी डॉक्टर से मिलने की इजाजत नहीं दी गई। यह सब मेरे लिए बहुत निराशाजनक था।वहीं दूसरी तरफ, राधिका ने बताया कि एक इंटरनेशनल प्रोजेक्ट में उनका अनुभव बिल्कुल अलग और सकारात्मक रहा। उन्होंने कहा, "जब मैंने उस हॉलीवुड डायरेक्टर को बताया कि मैं ज्यादा खा रही हूं और शूट के आखिर तक शायद अलग ही दिखूं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा'कोई बात नहीं, तुम चाहे जैसी भी दिखो, तुम प्रेग्नेंट हो और ये बिल्कुल ठीक है।' इस तरह की बात सुनकर बहुत सुकून मिला।राधिका ने आगे कहा, "मैं समझती हूं कि प्रोफेशनल कमिटमेंट्स होते हैं, और मैंने हमेशा उनका सम्मान किया है। लेकिन थोड़ी सी इंसानियत और समझदारी बहुत मायने रखती है। मैं कोई खास ट्रीटमेंट नहीं चाहती थी, बस थोड़ी सी सहानुभूति और सम्मान।राधिका की यह बात न केवल एक महिला के प्रेगनेंसी के दौरान आने वाली चुनौतियों को उजागर करती है, बल्कि इंडस्ट्री में काम करने वाली महिलाओं के लिए ज्यादा सुरक्षित और सहानुभूति भरे माहौल की जरूरत को भी रेखांकित करती है।'फ्रीडम टू फीड' जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए मातृत्व और महिलाओं के अधिकारों को लेकर खुलकर बातचीत हो रही है, और राधिका की यह कहानी इस दिशा में एक जरूरी कदम है। अब वक्त है कि इंडस्ट्री पुरानी सोच को पीछे छोड़कर मातृत्व को एक सपोर्ट करने वाले फेज की तरह देखे, ना कि उसे काम से दूर करने की वजह बनाए।

यशराज फिल्म्स ने जारी किया 'वॉर 2' के बहुप्रतीक्षित डांस-ऑफ 'जनाब ए आली' का टीजर

यशराज फिल्म्स ने आखिरकार अपने स्पाई यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' के सबसे चर्चित गाने 'जनाब ए आली' की पहली झलक जारी कर दी है। यह है भारत के दो बेहतरीन डांसर–एक्टर्स ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के बीच का वो डांस युद्ध, जिसका इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे थे। इस ट्रैक को संगीतबद्ध किया है प्रीतम ने, गाया है सचेत टंडन और साज भट्ट ने, और इसके बोल लिखे हैं अमिताभ भट्टाचार्य ने। यह एक ऊर्जावान और जोशीला डांस एंथम है, जो दर्शकों के दिलों की धड़कनें तेज कर देगा। आदित्य चोपड़ा जो भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स को अलग सोच के साथ पेश करने के लिए पहचाने जाते हैं अब 'वॉर 2' के लिए 'कजरा रे' (बंटी और बबली) और 'कमली' (धूम 3) की स्मार्ट रिलीज स्ट्रैटेजी दोहरा रहे हैं। उन्होंने निर्णय लिया है कि 'जनाबे आली' का पूरा गाना ऑनलाइन रिलीज नहीं किया जाएगा ताकि दर्शकों को बड़े पर्दे पर ऋतिक और एनटीआर को एक साथ डांस करते देखने का जादुई अनुभव उसी तरह मिले, जैसा इसे डिजाइन किया गया है। यशराज फिल्म्स चाहती है कि लोग इस अनुभव के लिए थियेटर में आएं दृ ठीक वैसे ही जैसे पहले 'कजरा रे' और 'कमली' ने थियेटर में तहलका मचा दिया था। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है और कियारा आडवाणी इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री हैं। 'वॉर 2' 14 अगस्त, 2025 को हिंदी, तेलुगु और तमिल में सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। संगीत' प्रीतम, कोरियोग्राफर' बॉस्को लेस्ली मार्टिस, इसका हिंदी वर्जन सचेत टंडन, साज भट्ट ने गाया है और गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य हैं। वहीं इसका तेलुगु वर्जन नकाश अजीज, याजिन नजीर ने गाया है और गीतकार कृष्णा कांत हैं। तमिल वर्जन को नकाश अजीज, याजिन नजीर ने गाया और मधन कार्की गीतकार हैं।

स्मृति ईरानी बनीं टीवी की सबसे अधिक फीस लेने वाली एक्ट्रेस, 'तुलसी' बनकर जीता सबका दिल

अभिनेत्री से राजनेता बनीं स्मृति ईरानी हाल ही में अपनी प्रशंसकों की पसंदीदा तुलसी विरानी के रूप में ष्क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2ष से टेलीविजन पर लौटीं और खबरों के अनुसार, वह प्रति एपिसोड ध्14 लाख चार्ज कर रही हैं, जिससे वह भारतीय टेलीविजन पर सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्री बन गई हैं। अब, एक साक्षात्कार में, स्मृति ने छोटे पर्दे पर सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्री होने की खबर की पुष्टि की, हालाँकि उन्होंने सटीक राशि का खुलासा नहीं किया।

स्मृति ईरानी बनीं टीवी की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली अदाकारा

अभिनेत्री ने इसकी पुष्टि की और ब्छछ–छमू18 को बताया कि ऐसा पारिश्रमिक उन पेशेवरों के लिए उचित है जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं, क्योंकि यह पेशेवरों के लिए एक मानक भी स्थापित करता है कि अगर कोई इतिहास, संख्या और राजस्व के मामले में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, तो क्यों नहीं? उन्हें देखने वाले सभी लोग यह नहीं जानते कि कर्मचारी के तौर पर उनके पास अपने अनुबंधों पर बातचीत करने का विकल्प होता है। उन्होंने आगे कहा, ष्मैं एक यूनियन का हिस्सा हूँ, इसलिए सबसे पहले मैं अपना यूनियन नंबर पंजीकृत करवाती हूँ। हम सभी एक बड़े संगठन और कार्यप्रवाह का हिस्सा हैं। किसी एक व्यक्ति का खड़े होकर यह कहना कि सुनो, सिर्फ़ वेतन समानता ही नहीं, मैं लड़कों और लड़कियों से आगे हूँ और मैं कितना कमाती हूँ, यह बहुत मेहनत का काम है। इसके अलावा, अभिनेत्री ने बताया कि विचार यह है कि क्या कोई व्यक्ति वास्तव में स्टार है या क्या उसके पास अपने आसपास के लोगों को स्टार बनाने की पेशेवर क्षमता है और उन्हें लगता है कि उनमें यह क्षमता है और वह अपने साथ काम करने वाले अन्य लोगों को भी स्टार बनाने की क्षमता रखती हैं। स्मृति ने आगे कहा, ष्अगर तुलसी है, तो अमर उपाध्याय अपने लिए एक अलग ही बाज़ार तैयार करते हैं। तो क्या आप वह धुरी, वह साउंडबोर्ड बनते हैं जिससे दूसरे कलाकार अपनी आर्थिक क़ीमत बढ़ा सकें? मैं इस प्रोजेक्ट के ज़रिए ऐसा करने में कामयाब रही हूँ, इसलिए आज मेरे सह–कलाकार कह सकते हैं, ओह, हम भी इसका हिस्सा हैं।

भारत में सबसे ज्यादा टीवी अभिनेता

इस वापसी के साथ, स्मृति ईरानी ने टेलीविजन के कुछ मौजूदा शीर्ष कमाई करने वालों को पीछे छोड़ दिया है। उदाहरण के लिए, अनुपमा स्टार रूपाली गांगुली कथित तौर पर प्रति एपिसोड 3 लाख कमाती हैं, जबकि तारक मेहता का उल्टा चश्मा के दिलीप जोशी (उर्फ जेठालाल) प्रति एपिसोड लगभग 1.5 लाख कमाते हैं। सबसे अधिक भुगतान पाने वाले टीवी अभिनेताओं की सूची में अन्य शामिल हैं – जेनिफर विंगेट (ध्1.5–2 लाख प्रति एपिसोड), तेजस्वी प्रकाश (2–3 लाख प्रति एपिसोड), श्रद्धा आर्य (1.5 लाख प्रति एपिसोड), हर्षद चोपड़ा (3 लाख प्रति एपिसोड) और हिना खान (1.5–2 लाख प्रति एपिसोड)।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 के कलाकार

इस रीबूट में स्मृति और अमर दोनों मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही हितेन तेजवानी, गौरी प्रधान, रोहित सुचांती, शगुन शर्मा, अमन गांधी, तनिषा मेहता, अंकित भाटिया और प्राची सिंह भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

सलमान खान के बॉडीगार्ड के पिता का निधन, सलमान खान भावुक होकर शेरा के घर पहुचे

सलमान खान के लंबे समय से बॉडीगार्ड और करीबी सहयोगी रहे शेरा को एक निजी क्षति हुई जब उनके पिता सुंदर सिंह जॉली का कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार जोगेश्वरी पश्चिम स्थित ओशिवारा श्मशान घाट पर हुआ। अंतिम संस्कार के कुछ ही देर बाद, सलमान खान मुंबई स्थित शेरा के आवास पर अपनी संवेदना और सांत्वना व्यक्त करने पहुँचे। इस मुश्किल घड़ी में, अभिनेता ने शेरा के घर जाकर अपनी संवेदना व्यक्त की। शेरा के पिता सुंदर सिंह जॉली का 88 साल की उम्र में कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद निधन हो गया। सलमान खान द्वारा शेरा को गले लगाकर सांत्वना देते हुए कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आए। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में, सलमान कड़ी सुरक्षा के बीच अपनी कार से शेरा के घर पहुँचते हुए दिखाई दे रहे थे। जैसे ही वह बाहर निकले, पहले से इंतज़ार कर रहे शेरा ने हमेशा की तरह उनके लिए कार का दरवाज़ा खोला। सलमान ने तुरंत शेरा को गले लगा लिया, जो नम आँखों से भावुक दिख रहे थे। इसके बाद सलमान ने शेरा के परिवार के साथ कुछ समय बिताया और जाने से पहले अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

शेरा के काम और व्यवसाय के बारे में

इस दुखद अवसर पर, शेरा ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें लिखा था, ष्मेरे पिता, श्री सुंदर सिंह जॉली का आज निधन हो गया।ष इस पोस्ट ने कई लोगों के दिलों को छू लिया और लोगों ने उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। जिन्हें नहीं पता, उनके लिए बता दें कि शेरा का असली नाम गुरमीत सिंह जॉली है। वह 1995 से सलमान खान के भरोसेमंद बॉडीगार्ड रहे हैं और हर कदम पर सलमान खान को सुरक्षा प्रदान करते रहे हैं। उनकी टाइगर सिक्योरिटी नाम की एक सुरक्षा एजेंसी भी है, जो कई बॉलीवुड हस्तियों को सेवाएँ प्रदान करती है।

शेरा का बॉडीबिल्डिंग सफ़र

शेरा ने बॉडीबिल्डिंग से अपना करियर शुरू किया, 1987 में मुंबई जूनियर का खिताब जीता और 1988 में मिस्टर महाराष्ट्र जूनियर के उपविजेता बने। 1990 के दशक में, उन्होंने सुरक्षा उद्योग में कदम रखा और जल्द ही सलमान खान के साथ काम करना शुरू कर दिया।

सलमान के आगामी प्रोजेक्ट्स

बजरंगी भाईजान अभिनेता सलमान खान आखिरी बार एआर मुरुगादॉस की एक्शन थ्रिलर फिल्म सिकंदर में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल के साथ नज़र आए थे। वह अगली बार लोकप्रिय टेलीविजन रियलिटी शो शबिग बॉस 19श की मेजबानी करते नज़र आएंगे और अपनी आगामी फिल्म शबैटल ऑफ गलवानश की भी तैयारी कर रहे हैं, जिसका निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है और जिसमें चित्रांगदा सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अब आप भी कद्दू के बीजों को रखे संभाल कर, बीजों को खाने से जानिए कितनें फायदे

कद्दू खाना हर कोई पसंद नहीं करता। पर कद्दू खाना सेहत के लिए अच्छा होता है। अक्सर हम कद्दू के बीजों को फेंक देते हैं और इसके स्वास्थ्य लाभों को हल्के में लेते हैं। बता दे कि उसके बीज को खाना उससे भी ज्यादा सेहत के लिए फायदेमंद है। कद्दू के बीज किसी वरदान से कम नहीं हैं। कद्दू के बीज खाने के कई फायदे हैं। कद्दू के बीज विटामिन, खनिज, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं। इन बीजों में आयरन, पोटैशियम, कॉपर और मैग्नीशियम भी पाए जाते हैं। ऐसे में कद्दू के बीजों को खानपान का हिस्सा बनाने पर शरीर को एक नहीं बल्कि कई फायदे मिलते हैं।

जाने कद्दू के बीजों को खाने के फायदे..

हार्ट हेल्थ को बनाएं बेहतर

कद्दू के बीजों में मौजूद हेल्दी फैट्स और मैग्नीशियम हार्ट हेल्थ के लिए लाभकारी माने जाते हैं। इसका पानी पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी घटता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। इन बीजों में ओमेगा–3 और ओमेगा–6 फैटी एसिड, और जिंक जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिल को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं। कद्दू के बीज विटामिन ई और कैरोटीनॉयड जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

बीजों से पाचन तंत्र को बनाए मजबूत

कद्दू के बीज पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इनमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। अपने आहार में कद्दू के बीज शामिल करके, आप एक स्वस्थ पाचन तंत्र सुनिश्चित कर सकते हैं और जठरांत्र संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं। ये बैक्टीरिया स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कद्दू के बीजों से इम्यूनिटी को करें मजबूत

शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए कद्दू के बीजों का सेवन जरूर करना चाहिए। कद्दू का बीज जिंक और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। रोजाना इनका सेवन करने से आप सर्दी–जुकाम और अन्य संक्रमणों से बच सकते हैं। कद्दू के बीज सही तरह से खाए जाएं तो इनसे बीमारियों का खतरा दूर रहता है। इन बीजों से शरीर को एंटीबैक्टीरियल गुण, एंटीफंगल गुण और एंटीवायरल गुण भी मिलते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

बीजों को खाने से नींद बेहतर होती है

अक्सर बहुत से लोगों को सही तरह से नींद लेने में दिक्कत होती है। अक्सर ही रात में नींद खुल जाती है और दोबारा ठीक तरह से सोने में परेशानी होने लगती है। ऐसे में नींद से जुड़ी दिक्कतें दूर करने में कद्दू के बीजों का सेवन काम आता है। कद्दू के बीजों में ट्रिप्टोफैन नामक अमीनो एसिड पाया जाता है, जो मेलाटोनिन हार्मोन को बढ़ाता है। कद्दू के बीज खाने पर शरीर को जिंक, सेलेनियम और कॉपर मिलते हैं जो स्लीप क्वालिटी बेहतर करने में फायदेमंद होते हैं। यह हार्मोन अच्छी नींद के लिए जरूरी है। अगर आप नींद से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो रोजाना कद्दू के बीज का सेवन करें।

बीजों से जोड़ों का दर्द होता है गायब

कई लोगों को नहीं पता होगा की कद्दू के बीजों के कितने फायदे हैं। यह हमारे जोड़ों को ठीक करने का एक अच्छा नुस्खा है। बतां दे कि कद्दू के बीजों में पाए जाने वाले एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण जोड़ों की सूजन को कम करने में मदद करते हैं, जिससे दर्द से राहत मिलती है। ऐसे में कद्दू के बीज खाने पर जोड़ों का दर्द ठीक होने लगता है। इससे शरीर के अलग–अलग हिस्सों में इंफ्लेमेशन के कारण हो रहे दर्द से भी छुटकारा मिल जाता है। अर्थराइटिस के दर्द से राहत पाने के लिए इसके बीजों को डाइट का हिस्सा बनाएं।

बीज वजन घटाने में सहायक

अगर आप भी वजन कम करना चाहते हैं तो कद्दू के बीज आपके लिए बेहतरीन स्नैक हो सकते हैं। इनमें प्रोटीन और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं, जो भूख को कंट्रोल रखते हैं और ज्यादा खाने से बचाते हैं। बता दे कि इसमें प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट मौजूद है। इन सीड्स को खाने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है जो वजन घटाने में मदद करता है। वजन घटाने के लिए आमतौर पर आप 1 से 2 चम्मच यानी 20–30 ग्राम कद्दू के बीज का सेवन कर सकते हैं।

अच्छी सेहत पाने के लिए रोजाना करें कद्दू के बीजों का सेवन। जिससे आप भी रहेंगे स्वस्थ।

बच्चों पर मंडरा रहा है काली खांसी का खतरा, इस तरह करें अपने परिवार का बचाव

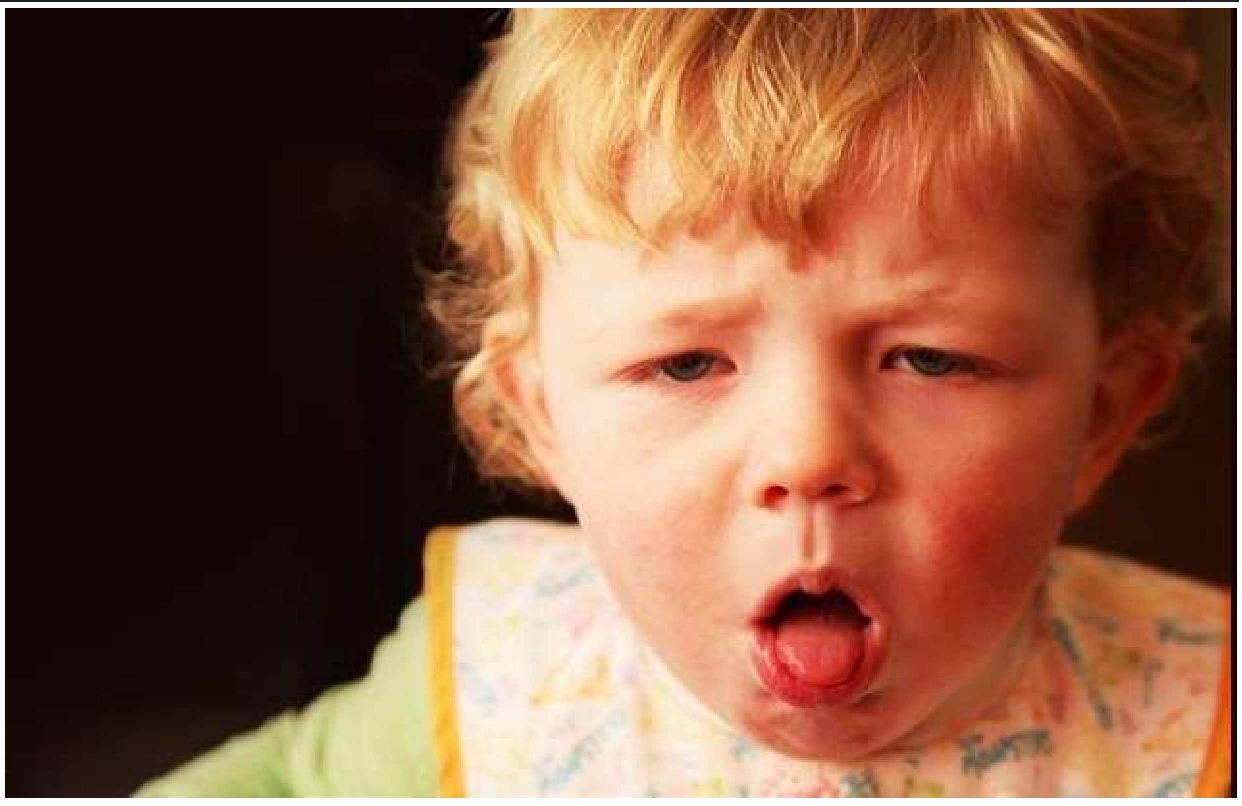

2024 में अब तक पूरे ऑस्ट्रेलिया में काली खांसी (पर्टुसिस) के 17,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। यह पूरे 2023 के दौरान सामने आए इस तरह के मामलों की तुलना में छह गुना अधिक हैं। कई राज्यों में समाचारों की सुर्खियों में हाल के हफ्तों और महीनों में काली खांसी फैलने की चेतावनी दी गई है। हाल ही में, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में इसमें वृद्धि दर्ज की गई है, जो राज्य के दक्षिण–पश्चिम में सबसे अधिक है। इससे छोटे शिशुओं को गंभीर बीमारी और मृत्यु का सबसे बड़ा खतरा होता है। तो काली खांसी के लिए यह इतना बड़ा साल क्यों रहा? और हम इस खतरनाक बीमारी को आगे फैलने से कैसे रोक सकते हैं?

काली खांसी क्या है?

काली खांसी एक संक्रमण है जो फेफड़ों और वायुमार्ग को प्रभावित करता है। यह जीवाणु बोर्डेटेला पर्टुसिस के कारण होता है। अन्य श्वसन संक्रमणों की तरह, यह खांसने, छींकने या बात करने के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल जाता है। वयस्क और बच्चे काली खांसी से बीमार हो सकते हैं और लंबे समय तक खांसी से पीड़ित हो सकते हैं जो हफ्तों या महीनों तक रह सकती है। शिशुओं में, जब इस तरह की खांसी होती है तो उनके सांस लेने पर हूप की आवाज आती है और खांसने के बाद उन्हें उल्टी हो सकती है। कुछ मामलों में, खांसी नहीं होती, और एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सांस लेने में रुकावट का अनुभव हो सकता है या उनका रंग नीला पड़ सकता है। छह महीने से छोटे बच्चे विशेष रूप से काली खांसी की चपेट में आते हैं क्योंकि तब तक उनका पूरी तरह से टीकाकरण नहीं हुआ होता है। चार महीने से कम उम्र के शिशुओं में अस्पताल में भर्ती होने की दर सबसे अधिक है। एक वर्ष से कम उम्र के अस्पताल में भर्ती 100 बच्चों में से लगभग एक की संक्रमण से मृत्यु हो सकती है।

इस साल मामले क्यों बढ़ रहे हैं?

अन्य संक्रामक रोगों के साथ, जिनमें इन्फ्लूएंजा जैसे वायरल संक्रमण और समूह ए स्ट्रेप्टोकोकल संक्रमण जैसे जीवाणु संक्रमण शामिल हैं, काली खांसी लगभग कोविड महामारी के चरम पर गायब हो गई। सामाजिक दूरी के उपायों में ढील दिए जाने के बाद, हमने श्वसन संक्रमण फैलने का सामान्य से अधिक बोझ देखा है। यह उन बच्चों के लिए विशेष रूप से सच है, जिनका लॉकडाउन अवधि के दौरान बाहरी वातावरण से कम संपर्क था। काली खांसी आमतौर पर हर तीन से चार साल में बढ़ती है, लेकिन महामारी के दौरान सामाजिक दूरी, सीमा नियंत्रण, लॉकडाउन और मास्क पहनने का मतलब है कि हमारी आखिरी चरम स्थिति 2016 में थी। इसलिए अब कई लोगों में काली खांसी के प्रति सामान्य की तुलना में कम प्रतिरोधक क्षमता है। इसके अलावा, काली खांसी अत्यधिक संक्रामक होती है और प्रतिरक्षा – चाहे टीकाकरण से हो या प्राकृतिक संक्रमण से – समय के साथ कम हो जाती है। इससे लोगों को बार–बार संक्रमण होने का खतरा रहता है।

वैक्सीन के बारे में क्या?

टीकाकरण खुद को और कमजोर बच्चों को काली खांसी के संक्रमण से बचाने का सबसे अच्छा तरीका है। ऑस्ट्रेलिया में, बच्चों को छह सप्ताह, चार महीने और छह महीने (प्राथमिक पाठ्यक्रम) की उम्र में छह पर्टुसिस टीके लगाए जाते हैं। बूस्टर खुराक 18 महीने, चार साल और 7 साल की उम्र में दी जाती है। बहुत छोटे शिशुओं की सुरक्षा के लिए मातृ टीकाकरण सबसे अच्छा तरीका है। गर्भवती महिलाओं के लिए काली खांसी बूस्टर खुराक की सिफारिश गर्भावस्था के 20 सप्ताह से की जाती है। यह बच्चे में सुरक्षात्मक एंटीबॉडी के हस्तांतरण में मदद देता है, जिससे जीवन के पहले कुछ महीनों के दौरान काली खांसी होने की संभावना कम हो जाती है – विशेष रूप से छह सप्ताह में अपना पहला टीकाकरण प्राप्त करने से पहले।

वैक्सीन कितनी असरदार है?

वर्तमान में अनुशंसित टीके गंभीर काली खांसी (लगभग 85: प्रभावकारिता) से सुरक्षा प्रदान करने में अच्छे हैं। वे बच्चों में हल्के संक्रमण से रक्षा करने में कम सक्षम हैं। इसका मतलब यह है कि उनका काली खांसी के संचरण को कम करने पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है, जो तब होता है जब हल्के संक्रमण वाले लोग बाहर निकलने और समुदाय में घुलने–मिलने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ होते हैं। ऑस्ट्रेलिया में उपलब्ध काली खांसी के टीके ष्अकोशिकीयष टीके हैं। इन्हें संपूर्ण कोशिका निष्क्रिय टीकों (बोर्डेटेला पर्टुसिस के संपूर्ण निष्क्रिय संस्करण पर आधारित) के बजाय शुद्ध प्रोटीन का उपयोग करके बनाया जाता है।

एक्ट्रेस जैसा फेस ग्लो पाने के लिए इन हाइलाइटर्स का करें यूज, मिलेगी ग्लोइंग ग्लास स्किन

मेकअप करना हर महिला व लड़की को पसंद होता है। वहीं दमकते चेहरे के लिए हाइलाइटर का इस्तेमाल किया जाता है। हाइलाइटर के बिना मेकअप अधूरा लगता है। बता दें कि लेटेस्ट ब्यूटी ट्रेंड में हाइलाइटर काफी ज्यादा पॉपुलर है। हाइलाइटर को गालों, आंखों के किनारों और नाक के ऊपर हल्का सा हाइलाइट किया जाता है। इन दिनों हाइलाइटर में गोल्डन, ब्रॉन्ज और पिंक शेड फैशन में हैं। इनको अलग–अलग स्किन टोन के हिसाब से इस्तेमाल किया जाता है। आप चाहें तो लिक्विड या फिर पाउडर में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी किसी फंक्शन में जाने की तैयारी कर रही हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ बेस्ट हाइलाइटर के बारे में बताने जा रहे हैं।

संउम हाइलाइटर

यह हाइलाइटर क्रीम टू पाउडर फिनिश और केवल एक स्वाइप में आपको पर्फेक्शन देता है। इसमें विटामिन ई और जोजोबा ऑयल का इस्तेमाल किया गया है। इसको अप्लाई करने से फेस पर लाइट रिफ्लेक्टिंग शाइन पिगमेंट्स नजर आते हैं। साथ ही यह त्वचा में एंटी एजिंग इफेक्ट भी लाता है।

मेकअप रिवॉल्यूशन हाइलाइटर

यह हाइलाइटर आसानी से आपकी स्किन में ब्लेंड हो जाता है। यह आपकी त्वचा को स्मूदनेस देता है और यह लॉन्ग लास्टिंग फॉर्मूले के साथ आता है। इसको फेस पर अप्लाई करने से आपको शिमरी और सिल्की इफेक्ट मिलता है। यह आपके फेस के ऑयल को कंट्रोल कर बैलेंस्ड ग्लो देता है। इसको लगाने से त्वचा सॉफ्ट लगती है और इसमें हार्मफुल केमिकल्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

सुगर कॉस्मेटिक हाइलाइटर

यह हाइलाइटर लॉन्ग लास्टिंग और लाइटवेट इफेक्ट देने का काम करता है। यह आपके चेहरे की त्वचा को रॉयल रोज टच देता है। इसको अप्लाई करने से शिमरी फिनिस ग्लो मिलता है। बता दें कि इसको फाउंडेशन के ऊपर या फिर पहले इस्तेमाल किया जा सकता है। इस स्टिक से आप इसको आसानी से इस्तेमाल में ला सकती हैं।

LAMIOR हाइलाइटर

LAMIOR के इस इल्युमिनेटर से ग्लास स्किन वाला ग्लो मिलता है। यह आपको ड्यूवी फिनिश देने का काम करता है। यह वाटरमेलन, चौमोमाइल और नियासिनअमाइड के साथ मिलकर हाईब्रिड रोल निभाता है। इसमें हैलो शेड्स के साथ 6 और शेड्स मिलते हैं। ऐसे में आप अपनी स्किन टोन के हिसाब से इसको आसानी से चूज कर सकती हैं।

फेस कनाडा हाइलाइटर

बता दें कि फेस कनाडा हाइलाइटर में प्राइमर, मॉइश्चराइजर और हाइलाइटर का कॉम्बो पैक है। इसमें Hyaluronic Acid और Shea Butter का इस्तेमाल किया गया है। जिसके कारण यह आपके फेस को इंस्टेंट ग्लो देने का काम करता है। इसको अप्लाई करने से फ्लॉलेस रेडिएंट ड्यूवी स्किन मिलती है। फेस कनाडा हाइलाइटर में सिल्वर और गोल्ड दो शेड्स मिल रहे हैं। वहीं यह एल्कोहल और पैराबेन फ्री है। इसको एक बार लगाने से पूरा दिन फेस ग्लो करता है।

सावन में कानपुर के फेमस शिव मंदिरों के दर्शन का बना रहे प्लान, तो ऐसे बनाएं 3 दिन का ट्रिप

इस बार 22 जुलाई से सावन महीने की शुरूआत हुई है। जिसके बाद भक्त शिवालयों में जाकर भगवान शिव की पूजा–अर्चना और दर्शन कर रहे हैं। सावन में पड़ने वाले सोमवार को चमत्कारी माना जाता है। मान्यता के अनुसार, जो भी भक्त इस महीने भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं, उनकी सभी परेशानियों को महादेव हर लेते हैं। इसी वजह से शिव भक्त बेसब्री से सावन महीने का इंतजार करते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस बार सावन में फेमस शिव मंदिर जाने का प्लान बना रहे हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कानपुर के कुछ फेमस और खास शिव मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं।

आनंदेश्वर मंदिर

बता दें कि आनंदेश्वर मंदिर का इतिहास सदियों पुराना है। बताया जाता है कि यह शिव मंदिर महाभारत काल से भी पहले का है। यहां पर हर बार सावन के महीने में दूर–दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में अगर आप कानपुर के रहने वाले हैं और अभी तक इस मंदिर नहीं गए हैं, तो आपको एक बार इस मंदिर में जरुर जाना चाहिए। आनंदेश्वर मंदिर गंगा किनारे स्थित है। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां पर वर्षों से किसी न किसी शिवभक्त के द्वारा भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। सावन में इस मंदिर का नजारा देखने लायक होता है।

खेरेश्वर महादेव मंदिर

उत्तर प्रदेश के प्राचीन मंदिरों में कानपुर के शिवराजपुर स्थित खेरेश्वर महादेव मंदिर है। इस मंदिर का इतिहास भी महाभारत काल से बताया जाता है। शिव भक्त इस मंदिर को चमत्कारी मानते हैं। बताया जाता है कि सुबह जब मंदिर के कपाट खोले जाते हैं, तो वहां पर पहले ही भगवान की पूजा हो चुकी होती है। हालांकि मंदिर खुलने से पहले पूजा कैसे हो जाती है, इस बात का खुलासा आज तक नहीं हो पाया है। देर रात से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ लगने लगती है। सावन के सोमवार में लाखों की संख्या में भक्त मंदिर में महादेव के दर्शन के लिए आते हैं।

संक्षिप्त

यूपीआई भुगतान बाधित होने से लोग हुए परेशान, एनपीसीआई ने बताई तकनीकी समस्या

देशभर में लोगों को बृहस्पतिवार शाम एकीकृत भुगतान प्रणाली यूपीआई के जरिये ऑनलाइन भुगतान करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा। यूपीआई का संचालन करने वाले भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने इस असुविधा के लिए कुछ बैंकों की तकनीकी समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया। एनपीसीआई ने देर शाम जारी बयान में कहा, कुछ बैंकों को आंतरिक तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिसकी वजह से यूपीआई कनेक्टिविटी में रुक–रुक कर समस्या हुई। हालांकि एनपीसीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि उसकी प्रणाली सामान्य रूप से काम कर रही है और प्रभावित बैंकों के साथ मिलकर समस्या का जल्द समाधान किया गया। यूपीआई सेवाएं बाधित होने से हुई असुविधा का सोशल मीडिया मंचों पर बड़ी संख्या में उपयोगकर्ताओं ने जिक्र किया। जून महीने में यूपीआई के जरिये 18 अरब से अधिक लेनदेन किए गए जिनका कुल मूल्य 24 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स ने आईपीओ लाने के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किए दस्तावेज

सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (एससीईएल) ने बाजार नियामक सेबी के समक्ष आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 1,400 करोड़ रुपये जुटाने के वास्ते प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल दस्तावेज के अनुसार, आईपीओ में 1,000 करोड़ रुपये के नए शेयर और 400 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी की आईपीओ से हासिल राशि में से 865 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज भुगतान और 35 करोड़ रुपये अपनी अनुषंगी कंपनी बीएपीएल के उधारों को चुकाने के लिए तथा शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग करेगी। राजकोट मुख्यालय वाली एससीईएल विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की विनिर्माता है जिसमें पंप व मोटर, सौर पंप एवं नियंत्रक, पंखे, प्रकाश व्यवस्था, अन्य उपभोक्ता विद्युत उत्पाद और कृषि उपकरण शामिल हैं।

उच्चतम न्यायालय ने भूषण पावर एंड स्टील मामले में नए सिरे से सुनवाई शुरू की

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) की कर्ज समाधान योजना से जुड़ी याचिकाओं पर नए सिरे से सुनवाई शुरू की। इससे पहले दो मई के अपने फैसले को शीर्ष अदालत ने 31 जुलाई को वापस ले लिया था। उस फैसले में बीपीएसएल के कर्ज समाधान के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील की तरफ से पेश समाधान योजना को रद्द कर परिसमापन का आदेश दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले की

सुनवाई के दौरान कहा कि दो मई को सुनाया गया फैसला कानूनी नजरिये से सही नहीं था। ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पूर्व प्रवर्तकों को इसमें कानूनी पक्षकार बनने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि वही लोग कंपनी को दिवालिया स्थिति में लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि जेएसडब्ल्यू स्टील की 19,000 करोड़ रुपये की योजना को सीओसी और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) पहले ही मंजूर कर चुके हैं। मेहता ने कहा कि इस समाधान योजना के क्रियान्वयन में देरी से 2,500 करोड़ रुपये का नुकसान पहले ही हो चुका है। वहीं बीपीएसएल के पूर्व प्रवर्तकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ध्रुव मेहता ने दलील दी कि समाधान प्रक्रिया के दौरान कंपनी ने हजारों करोड़ रुपये का परिचालन लाभ कमाया, जो कर्जदाताओं को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर समाधान योजना दोषपूर्ण थी तो कंपनी के परिसमापन के बजाय नई समाधान प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। हालांकि, सीओसी के वकील ने इसका विरोध किया। इस मामले की सुनवाई आठ अगस्त को जारी रहेगी।

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 87.63 प्रति डॉलर पर

रुपया शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.63 पर आ गया। व्यापार अनिश्चितता और मजबूत अमेरिकी डॉलर के मद्देनजर रुपये पर दबाव अब भी कायम है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक इसे 87.95 के स्तर पर बनाए रखने की कोशिश कर रहा है, जबकि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी स्थानीय मुद्रा को नीचे की ओर धकेल रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, 87.56 प्रति डॉलर पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.63 के निचले स्तर को छू गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को 14 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.58 पर बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.13 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 242.24 अंक की गिरावट के साथ 80,381.02 अंक पर और निफ्टी 54.85 अंक फिसलकर 24,541.30 अंक पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत फिसलकर 66.32 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,997.19 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

राजस्थान रॉयल्स को अलविदा कहेंगे संजू सैमसन? नीलामी से पहले रिलीज करने कहा, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

राजस्थान ने जून में 2025 सीजन की समीक्षा बैठक की थी, लेकिन उन्होंने अभी तक सैमसन को कोई निश्चित जवाब नहीं दिया है और उन्हें टीम के साथ बने रहने के लिए मनाने का विकल्प अभी भी खुला है।

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले फ्रेंचाइजी से खुद को रिलीज करने के लिए कहा है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसन ने आईपीएल 2025 सीजन के खत्म होने के बाद ही राजस्थान फ्रेंचाइजी को इस बात की सूचना दे दी थी। राजस्थान ने जून में 2025 सीजन की समीक्षा बैठक की थी, लेकिन उन्होंने अभी तक सैमसन को कोई निश्चित जवाब नहीं दिया है और उन्हें टीम के साथ बने रहने के लिए मनाने का विकल्प अभी भी खुला है। राजस्थान फ्रेंचाइजी से जब सैमसन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इस बारे में टिप्पणी नहीं की। सैमसन को लेकर अंतिम फैसला मुख्य कोच राहुल द्रविड़ से सलाह के बाद ही लिया जाएगा। अगर राजस्थान सैमसन को रिलीज करने का फैसला करता है, तो वे उसे किसी अन्य फ्रेंचाइजी को ट्रेड कर सकते हैं या नीलामी में भेज सकते हैं। आईपीएल अनुबंध के अनुसार, ऐसे मामलों में अंतिम निर्णय फ्रेंचाइजी का होता है। जहां तक ट्रेड की बात है, यह खिलाड़ियों की अदला–बदली या पूरी तरह से नकद सौदा हो सकता है।

सैमसन ने पहले राजस्थान के लिए 2013 से 2015 तक खेला और वह दो साल दिल्ली फ्रेंचाइजी के लिए खेलने के बाद 2018 में दोबारा राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़े। उन्हें 2021 में टीम का कप्तान बनाया गया था और 2022 में उन्होंने राजस्थान को आईपीएल फाइनल में पहुंचाया। टीम 2008 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंची थी, लेकिन ट्रॉफी अपने नाम नहीं कर सकी थी। 2022 सीजन में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप जीतने वाले उसके दो खिलाड़ी जोस बटलर और युजवेंद्र चहल को टीम ने आईपीएल 2025 के लिए हुई

मेगा नीलामी से पहले रिलीज कर दिया था।

राजस्थान ने पिछले सीजन किया था रिटेन

पिछले साल मेगा नीलामी से पहले राजस्थान ने जिन छह खिलाड़ियों को रिटेन किया था उनमें सैमसन भी शामिल थे। उन्हें 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया था। यशस्वी जायसवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, संदीप शर्मा और शिमरॉन हेटमायर अन्य पांच खिलाड़ी थे जिन्हें राजस्थान ने रिटेन किया था। सैमसन ने आईपीएल 2025 में 14 में से सिर्फ नौ मैच खेले क्योंकि चोट के कारण वह कुछ मैचों में उपलब्ध नहीं थे और उनकी जगह पराग ने कप्तानी संभाली थी। राजस्थान के लिए पिछला सीजन अच्छा नहीं रहा था और उसने सिर्फ चार मैच जीते थे और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही थी।

एशिया कप के लिए मिल सकती है जगह

रिपोर्ट के मुताबिक, सैमसन वर्तमान में बंगलूरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हैं। उन्हें नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चुने जाने की संभावना है। इससे पहले, सैमसन केरल क्रिकेट लीग में कुछ मैच खेलेंगे, जहां उन्हें हाल ही में कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने 26.8 लाख रुपये में खरीदा था, जिससे वह टूर्नामेंट के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए। नवंबर में आईपीएल की रिटेंशन समय सीमा से पहले राजस्थान के पास सैमसन पर निर्णय लेने के लिए दो महीने का समय है।

टी20, टेस्ट के बाद अब वनडे से भी संन्यास ले रहे हैं विराट कोहली?

इस तस्वीर ने मचाया तहलका

विराट कोहली इन दिनों क्रिकेट से दूर लंदन में अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। हाल ही में कोहली की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। इस तस्वीर को देखकर उनके फैंस काफी हैरान हैं।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इन दिनों क्रिकेट से दूर लंदन में अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। हाल ही में कोहली की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। इस तस्वीर को देखकर उनके फैंस काफी हैरान हैं। सभी फैंस के मन में अब यही सवाल उठने लगा है कि टी20, टेस्ट की तरह अब कोहली वनडे क्रिकेट से भी संन्यास ले लेंगे क्या? दरअसल, वायरल हो रही तस्वीर में कोहली की दाढ़ी सफेद रंग की दिख रही है जिस पर लोगों ने काफी कमेंट किए हैं। विराट कोहली की उम्र इस समय 36 साल की है और फैंस के मन में यही सवाल उठ रहा है कि क्या अब वो वनडे क्रिकेट से भी संन्यास ले लेंगे। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट सीरीज से पहले अनुभवी बल्लेबाज ने टेस्ट फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। यही नहीं उन्होंने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के खत्म होने के बाद टी20 को भी अलविदा कह दिया था। अब फिलहाल वह सिर्फ वनडे क्रिकेट का हिस्सा हैं। जुलाई 10 को युवराज सिंह ने एक इवेंट होस्ट किया था जिसमें विराट कोहली भी दिखे थे। उन्होंने इस इवेंट में अपनी दाढ़ी को लेकर बड़ा बयान दिया था। कोहली ने कहा था कि, मैंने अभी दो ही दिन पहले अपनी दाढ़ी कलर की है। अब समय आ गया है कि हर चार दिन में मैं अपनी दाढ़ी कलर करता हूं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। सभी का मानना था कि वो अपने इस मजाकिया बयान के पीछे की सच्चाई छुपा रहे हैं। फिलहाल, कोहली टीम इंडिया की ओर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते हुए दिख सकते हैं।

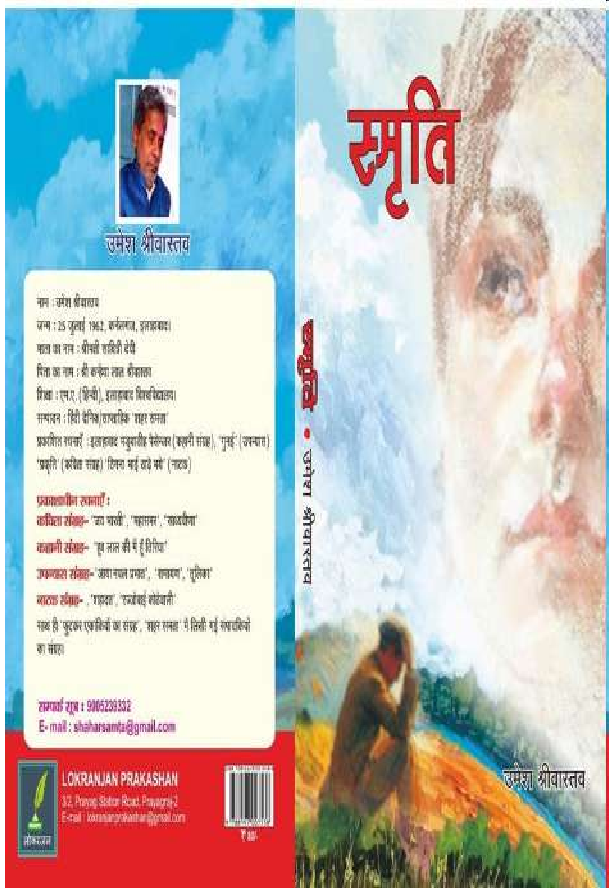

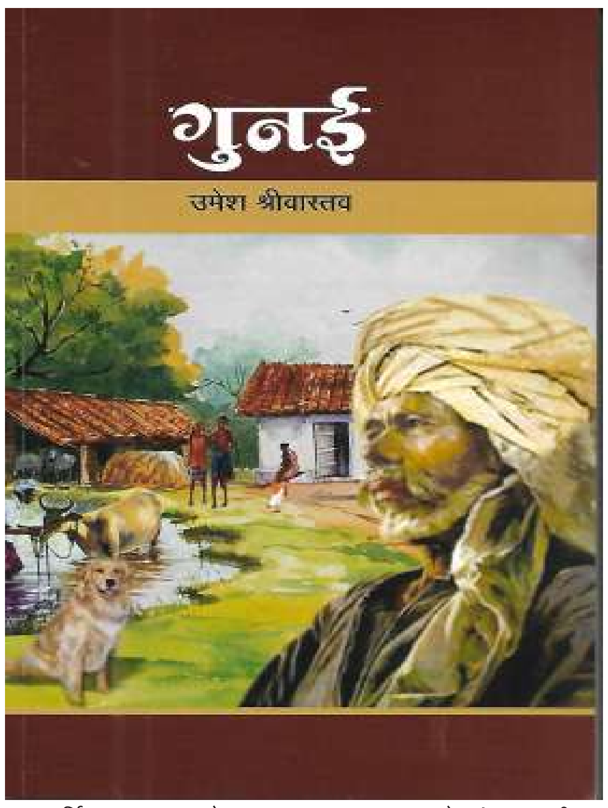

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

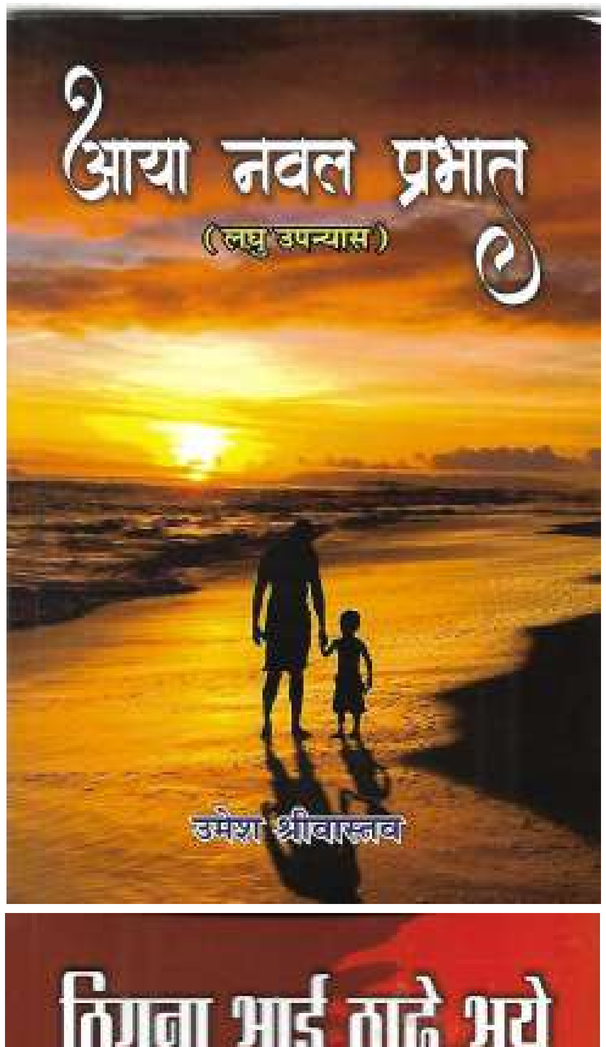

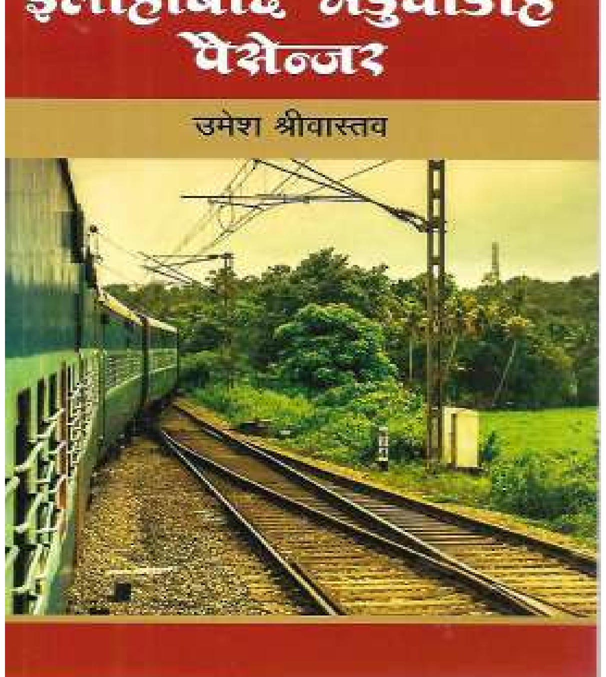

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

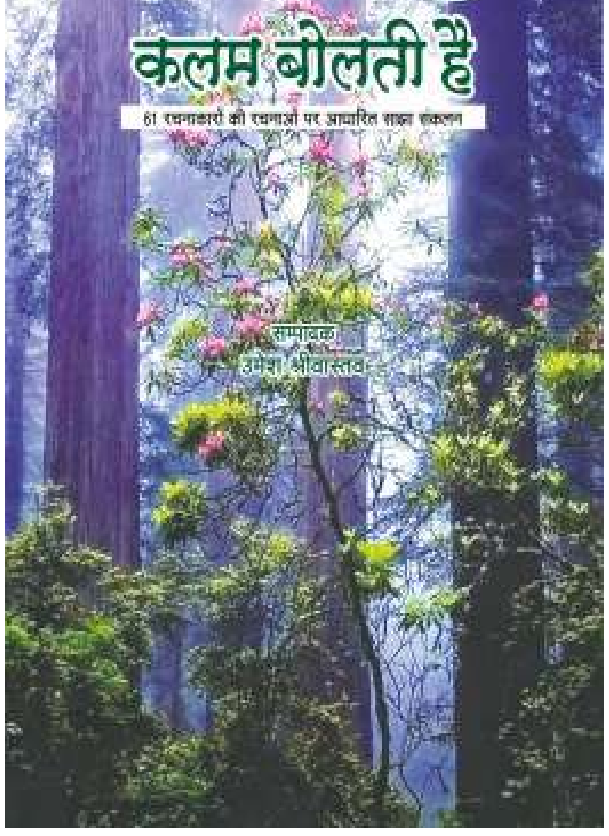

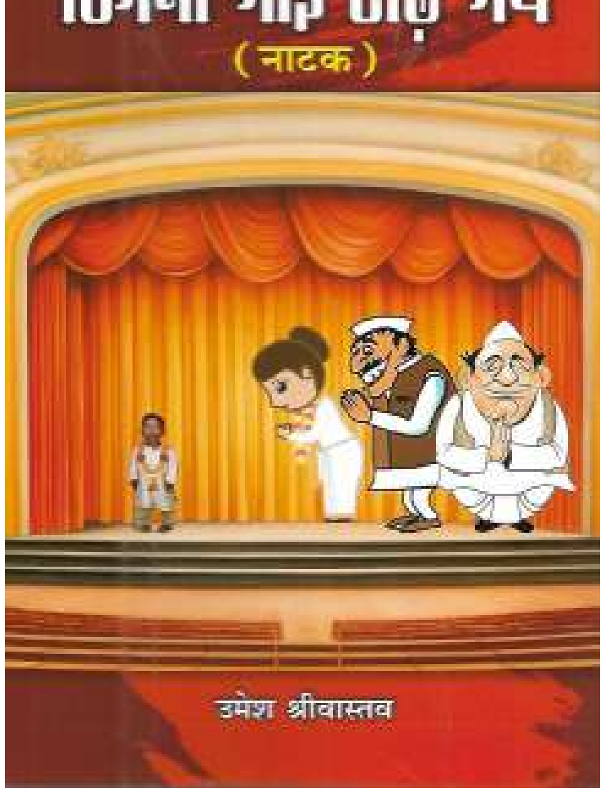

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका में मिसिसिपी नदी में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दो लोगों की मौत

अमेरिका के इलिनॉइस में बृहस्पतिवार को एक हेलीकॉप्टर मिसिसिपी नदी में दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने यह जानकारी दी। मिसौरी राज्य राजमार्ग गश्ती दल के कॉर्पोरल डलास

थॉम्पसन ने दोनों की मौत की पुष्टि की और कहा कि किसी अन्य के घायल होने की सूचना नहीं है। नदी को व्यावसायिक नौवहन के लिए बंद कर दिया गया है। रिवर्स पॉइंट फायर डिस्ट्रिक्ट के प्रमुख रिक पेंडर ने बताया कि हेलीकॉप्टर बृहस्पतिवार पूर्वाह्न लगभग 11 बजे बिजली के तार से टकराकर मिसिसिपी नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

कनाडा में भारतीय छात्रा की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

कनाडा में 21 वर्षीय भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की गोलीबारी की एक घटना में मौत होने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और उस पर हत्या का आरोप लगाया गया है। 'सीबीसी न्यूज' ने कार्यवाहक 'डिटेक्टिव सार्जेंट' डेरिल रीड के हवाले से एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि हैमिल्टन पुलिस ने ओंटारियो के नियाग्रा फॉल्स से मंगलवार को 32 वर्षीय आरोपी जेरडाइन फोस्टर को गिरफ्तार किया और उस पर हत्या करने के अलावा हत्या के प्रयास के तीन मामलों में भी आरोप लगाए। मोहॉक कॉलेज में फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत द्वितीय वर्ष की छात्रा रंधावा को 17 अप्रैल को उस समय गोली लगी थी जब वह 'अपर जेम्स स्ट्रीट' और 'साउथ बेंड रोड' के चौराहे पर एक बस अड्डे के पास खड़ी थी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उसने बाद में दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि भारतीय छात्रा बस से उतरकर सड़क पार करने के लिए खड़ी थी तभी उसे गोली लग गई। 'सीबीसी न्यूज' ने बताया कि चार कार में सवार कम से कम सात लोगों के बीच किसी बात को लेकर विवाद के दौरान गोलीबारी हुई थी और इसी बीच एक गोली पास खड़ी हरसिमरत को लग गई। उसने रीड के हवाले से बृहस्पतिवार को कहा, ''हरसिमरत एक स्थानीय जिम से घर जा रही थी, तभी उसे गोली लग गई और उसकी मौत हो गई।'' इस मामले में और किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। रीड ने कहा, ''जांच अभी जारी है और हम इस मामले में शामिल सभी लोगों की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल ने रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात की

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने बृहस्पतिवार को 'क्रेमलिन' में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की प्रेस सेवा की ओर से साझा की गई एक वीडियो क्लिप में डोभाल बातचीत से पहले पुतिन से हाथ मिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुतिन ने क्रेमलिन में अपने कक्ष में डोभाल का गर्मजोशी से स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे पुतिन ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया है।

टैरिफ मुद्दे पर खुलकर समर्थन में खड़ा हुआ इजरायल, भारत को बताया एशिया में सबसे मजबूत और भरोसेमंद साझेदार

एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत के खिलाफ टैरिफ को लेकर बड़ा ऐलान है। दूसरी तरफ भारत के साथ आते दुनियाभर के वो देश जो इस समय भारत संग व्यापार को बढ़ाना चाहते हैं। ट्रंप को लगा कि 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर वो भारत को घेर लेंगे। उन पर दबाव बना लेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके ठीक उलट दुनिया के कई देश भारत के खेमे में आकर खड़े हो गए हैं। गौर करने और सबसे हैरानी की बात ये है कि उसका सबसे खास और पसंदीदा दोस्त इजरायल भी भारत के साथ खड़ा है। इजरायल खुले दिल से भारत का समर्थन कर रहा है। अमेरिका और इजरायल के बीच टैरिफ वॉर को लेकर इजरायल ने खुलकर भारत का समर्थन किया है। इजरायली प्रधानमंत्री

बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अमेरिका में भी एक बुनियादी समझ है कि भारत एशिया में मजबूत साझेदार है। उन्होंने भारत को मजबूत और भरोसेमंद साझेदार करार दिया है। नेतन्याहू ने तो उम्मीद जताई कि अमेरिका और भारत के बीच जल्द ही मतभेद खत्म हो जाएंगे। नेतन्याहू ने इजरायल में भारत के राजदूत जेपी सिंह से मुलाकात भी की और इस मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने के लिए चर्चा की गई। इससे जुड़ी तस्वीरें भी सामने आई हैं। जिसमें इजरायल में भारत के राजदूत जेपी सिंह बेंजामिन नेतन्याहू के साथ नजर आ रहे हैं। नेतन्याहू के कार्यालय की तरफ से बताया गया कि बैठक में सुरक्षा और आर्थिक मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ को लेकर भी नेतन्याहू की प्रतिक्रिया आई। एक इंटरव्यू के दौरान नेतन्याहू ने कहा कि भारत और अमेरिका दो बेहतरीन दोस्त हैं। दोनों देशों के बीच दोस्ती इतनी गहरी है कि किसी भी समस्या का हल आसानी से निकाला जा सकता है। नेतन्याहू ने भारत के साथ अपने देश के मजबूत रक्षा संबंधों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इजरायली हथियारों का इस्तेमाल किया और इनकी क्षमता साबित हो चुकी है। इजरायल ने दो टूक कहा कि भारत हमारा सबसे मजबूत और अच्छा साझेदार है। यानी ट्रंप के टैरिफ का ये जवाब है। वो भी ऐसे वक्त में जब अमेरिका भारत को छोड़कर पाकिस्तान के साथ दोस्ती को और गहरा करने और भारत पर दबाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। उस समय कई ऐसे देश हैं जो खुलकर भारत के साथ दोस्ती बढ़ाना चाहते हैं। इसकी तस्वीर भी अब दिखने लगी है। चीनी राष्ट्रपति चाहते हैं कि भारत उनके साथ व्यापार करे। डोनाल्ड ट्रम्प पर तीखा प्रहार करते हुए चीनी राजदूत जू फेइहोंग ने उन्हें धमकाने वाला बताया। राजदूत ने बिना किसी का नाम लिए लिखा, धमकाने वाले को एक इंच दे दो, वह एक मील ले लेगा। रूस के राष्ट्रपति इस महीने के अंत तक भारत आने वाले हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति ये साफ कर चुके हैं कि वो भारत के साथ अपनी इकोनॉमी को तीन गुणा बढ़ा देंगे। अब तो अमेरिका के सबसे खास सहयोगी इजरायल ने भी ऐलान कर दिया है कि किसी भी वजह से भारत और इजरायल की दोस्ती पर कोई अंतर नहीं पड़ने वाला है।

अभी तो बस शुरुआत है! मोदी ने दे दिया ट्रंप को पहला झटका, रद्द हो गई अरबों की बोइंग डील

अमेरिका की तरफ से भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया। जिसके बाद भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। यूं तो भारत ने समय समय पर ये कहा है कि अमेरिका की तरफ से कोई भी अनैतिक फैसला लिया जाता है तो भारत इसके खिलाफ कदम उठाएगा और कार्रवाई करेगा। अब भारत ने बड़ा फैसला ले लिया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच 31 हजार 500 करोड़ की बोइंग डील हुई थी। जिसे भारत ने अब रद्द कर दिया है। 2021

में अमेरिकी विदेश विभाग ने 2.42 बिलियन अमेरिकी डॉलर में छह अतिरिक्त बोइंग पी–8आई समुद्री गश्ती विमानों के मूल सौदे को अपनी मंजूरी दे दी थी, लेकिन आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ के बाद दरें बढ़ गईं। रक्षा सूत्रों के हवाले से द फाइनेंशियल एक्सप्रेस ने बताया कि भारत ने परियोजना लागत में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि के कारण सौदे को स्थगित करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में आगे दावा किया गया है कि रक्षा मंत्रालय ने रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन करने का फैसला किया है और मूल्य वृद्धि, भूराजनीति और रणनीतिक स्वायत्तता जैसे कारक अंतिम निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पी–8आई, एक बहु–मिशन समुद्री विमान

बोइंग पी–8 पोसाइडन एक बहु–मिशन समुद्री गश्ती विमान है। यह टोही, खुफिया जानकारी एकत्र करने, खोज और बचाव कार्यों और पनडुब्बी रोधी अभियानों में विशेषज्ञता रखता है। बोइंग की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पी–8 490 नॉट की अधिकतम गति से 41,000 फीट की ऊँचाई तक उड़ान भर सकता है। यह लंबी दूरी के गश्ती अभियानों को भी अंजाम दे सकता है, क्योंकि इसमें उड़ान के दौरान ईंधन भरने की प्रणाली लगी है। बोइंग का दावा है कि पी–8आई विमान ने दुनिया भर में 6.60 लाख से ज़्यादा उड़ान घंटे पूरे किए हैं।

भारत ने 2009 में च–8ए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे

भारत ने 2009 में 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर में आठ च–8ए विमान खरीदने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। 2016 में, भारत ने 1 अरब अमेरिकी डॉलर में चार और ऐसे विमान खरीदने का ऑर्डर दिया था। भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र की पूरी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए लगातार 18 ऐसे विमानों को शामिल करने पर ज़ोर दे रही है।

भारत ने टैरिफ को लेकर अमेरिका पर पलटवार किया

भारत ने ट्रंप के टैरिफ को श्अनुचितश बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगी। बाद में उन्हें ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा का भी फ़ोन आया, जिन्होंने उन्हें अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे टैरिफ़ के मामले में अपना समर्थन देने का आश्वासन दिया। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति लूला के साथ अच्छी बातचीत हुई। ब्राज़ील की मेरी यात्रा को यादगार और सार्थक बनाने के लिए उनका धन्यवाद। हम व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, रक्षा, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ट्रंप को धमकाने वाले लूला ने मोदी को किया फोन, टैरिफ के खिलाफ भारत के साथ मिलकर ब्राजील ने तैयार किया प्लान!

एक तरफ अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर ट्रेड वॉर लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ दुनियाभर की ताकतें जुड़ने लगी हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति तो डोनाल्ड ट्रंप को सीधी चेतावनी देते नजर आ रहे हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने पहले ही कह दिया था कि अगर फोन कॉल करना होगा तो वो ट्रंप को नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करेंगे। अब राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने बिना समय गवाएं सबसे पहला फोन कॉल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कर दिया। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा ने पीएम मोदी को फोन किया है। पीएम मोदी के साथ बातचीत में उन्होंने भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। ललुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा ने कहा कि ट्रंप से बात नहीं करेंगे। यह घटनाक्रम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश जारी करने के एक दिन बाद आया है। पीएमओ ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया। बयान के मुताबिक टेलीफोन पर बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने पिछले महीने अपनी ब्राजील यात्रा को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बाद में सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति लूला के साथ अच्छी बातचीत हुई। ब्राजील की मेरी यात्रा को यादगार और सार्थक बनाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। हम व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, रक्षा, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में अपनी रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं इससे पहले रूस को लेकर ट्रंप की धमकी के बीच मॉस्को में पुतिन से एनएसए अजित डोभाल ने मुलाकात की है। इसी साल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा हो सकता है। डोभाल ने कहा कि रूस के साथ बेहद खास रिश्ता है। सुरक्षा और आर्थिक सहयोग दोनों के बीच इसको लेकर द्विपक्षीय बातचीत हुई। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की प्रेस सेवा की ओर से साझा की गई एक वीडियो क्लिप में डोभाल बातचीत से पहले पुतिन से हाथ मिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुतिन ने क्रेमलिन में अपने कक्ष में डोभाल का गर्मजोशी से स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे पुतिन ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227